भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड चैंपियन

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com f ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 29 ● अंक : 09 ● नई दिल्ली ● 09 से 15 मार्च 2026 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

न्यायाधिकरणों पर बढ़ता बोझ - 5 लाख से अधिक मामले लंबित, पद खाली होने से बढ़ रही देरी

नई दिल्ली। अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम करने और लोगों को जल्दी न्याय दिलाने के उद्देश्य से बनाए गए विभिन्न न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) अब खुद ही मामलों के भारी दबाव से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि इन संस्थानों में लाखों मामले लंबित पड़े हैं और बड़ी संख्या में पद खाली होने के कारण मामलों का निपटारा धीमा हो गया है। कानून मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार देश के अलग-अलग न्यायाधिकरणों में कुल मिलाकर 5 लाख से यादा मामले लंबित हैं। इन मामलों की बढ़ती संख्या की सबसे बड़ी वजह अध्यक्षों, न्यायिक सदस्यों, तकनीकी सदस्यों और कर्मचारियों की कमी बताई जा रही है। मंत्रालय द्वारा दिसंबर 2025 तक जारी आंकड़ों के अनुसार कई न्यायाधिकरणों में लगभग 18 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। स्थिति यह है कि सात न्यायाधिकरण ऐसे हैं जहां फिलहाल अध्यक्ष का पद ही खाली है। में अकेले 37 सदस्यों के पद खाली हैं। वहीं सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) में भी 15 पद रिक्त बताए गए हैं। कई अन्य न्यायाधिकरणों में भी न्यायिक और तकनीकी पद लंबे समय से

खाली पड़े हैं, जिससे मामलों के निपटारे की गति प्रभावित हो रही है। न्यायाधिकरणों की व्यवस्था वर्ष 1976 में संविधान में किए गए 42वें संशोधन के जरिए लागू की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक अदालतों, खासकर उच्च न्यायालयों पर बढ़ते मुकदमों के बोझ को कम करना था। इन न्यायाधिकरणों की खास बात यह है कि इनमें न्यायिक सदस्यों के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाता है। इससे उम्मीद की गई थी कि विशेष मामलों में विशेषज्ञता के आधार पर तेजी से फैसले हो सकेंगे और लोगों को जल्दी न्याय मिल सकेगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी न्यायाधिकरणों की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। 26 फरवरी को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि जिन संस्थाओं को अदालतों का बोझ कम करने के लिए बनाया गया था, वही अब खुद समस्याओं का कारण बनती जा रही हैं। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि कुछ मामलों में तो वित्तीय मामलों से जुड़े न्यायाधिकरणों के तकनीकी सदस्य फैसले लिखने का काम बाहर के लोगों से करवा रहे हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि न्यायाधिकरण सरकार द्वारा बनाए गए निकाय हैं, लेकिन कई मामलों में उनकी जवाबदेही स्पष्ट नहीं दिखती। अदालत के अनुसार कुछ न्यायाधिकरण ऐसे तरीके से काम कर रहे हैं मानो वे किसी नो-मैन्स लैंड की तरह हों, जहां जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है।

आपसी रंजिश में गोली मारकर युवक को उतारा मौत के घाट, बवाना इलाके में सनसनी

नई दिल्ली । बवाना इलाके में रविवार सुबह 24 साल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त पूठ खुर्द निवासी भूपेंद्र के रूप में हुई है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि सुबह में बवाना इलाके में स्थित राज वाटिका के पास एक युवक का शव पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि युवक को गोली मारी गई है। पुलिस ने उसे तुरंत पास के अस्पताल में लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का शिनाख्त भूपेंद्र के रूप में हुई। शुरुआती जांच में पता चला है कि भूपेंद्र के पिता बिजली कंपनी में काम करते हैं। वह बेरोजगार था। आशंका है कि आपसी रंजिश में उसकी हत्या की गई है। पुलिस घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कब्जे में ले लिया है और आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

यूजीसी नियमों के खिलाफ सड़कों पर उतरा सवर्ण समाज, रामलीला मैदान, जंतर-मंतर से की ये मांग

नई दिल्ली । यूजीसी नियमों के खिलाफ रविवार को सवर्ण समाज दिल्ली की सड़कों पर उतरा। सवर्ण समुदाय के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और उन्हें हाउस अरेस्ट करने के बाद भी बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पहुंचे और यूजीसी नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की। युवाओं ने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो सभी समाज और सभी वर्ग के हितों की रक्षा करे। युवाओं ने कहा कि नियम-कानून की आड़ में लगातार सामान्य वर्ग का उत्पीड़न होता रहा है, लेकिन अब बच्चों को कॉलेज स्तर पर भी प्रताड़ित करने की तैयारी की जा रही है। यह हर हाल में रुकना चाहिए। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने के बाद उनकी पुलिस जवानों से जमकर कहासुनी हुई। रामलीला मैदान में भी जोरदार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर दूर ले गई।

सुरक्षा बलों का कहना था कि रविवार को यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसके बाद भी हजारों प्रदर्शनकारी रामलीला मैदान पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अयोध्या से सवर्ण आंदोलन में भागीदारी करने जंतर-मंतर पहुंची आरती तिवारी ने अमर उजाला से कहा कि भाजपा और आरएसएस हमेशा हिंदू समाज की एकता की बात करते हैं, लेकिन यूजीसी नियमों ने हमारे बच्चों को ही अलग-अलग वर्गों में बांटने का रास्ता तैयार कर दिया है। बिहार के रणधीर सिंह ने कहा कि सरकार को केवल अमीर और गरीब दो वर्ग बनाने चाहिए। यदि छात्र गरीब है तो उसे बिना कोई भेदभाव किए सभी सुविधाएं देनी चाहिए। प्रयागराज से आए छात्र अमित शुक्ला ने कहा कि वे भाजपा या सरकार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यदि सरकार ने यूजीसी नियमों को वापस नहीं लिया तो वे चुनावों का बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि एक कानून बनाकर उन्हें अपने ही देश में दोयम दर्जे का नागरिक बनाने की कोशिश की जा रही है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। धर्मराज सिंह ने अमर उजाला से कहा कि पूरे देश में एससी/एसटी एक्ट का दुरूपयोग करते हुए सवर्ण समाज के लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाकर पूरे-पूरे परिवार के साथ जेल में डाला जा रहा है। आज तक इस समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया। लेकिन अब सवर्ण समुदाय के बच्चों को स्कूल कॉलेज में ही कानून के फंदे में फंसाकर जेल में डालने की साजिश रची जा रही है।

हिंदू युवक की हत्या के आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर, भाजपा ने कार्रवाई का स्वागत किया

नई दिल्ली। होली के दिन उत्तम नगर में एक युवक तरुण की हत्या करने वाले आरोपियों के घर पर बुलडोजर चल गया है। अनधिकृत निर्माण को लेकर दिल्ली नगर निगम की कार्रवाई के अनुसार हुये इस ध्वस्तीकरण में रविवार सुबह ही बुलडोजर इस कॉलोनी में पहुंच गए। दिल्ली पुलिस की कड़ी सुरक्षा में हुए इस ध्वस्तीकरण में अब तक मकान के कुछ हिस्से को तोड़ दिया गया है। आसपास के मकानों को किसी नुकसान से बचाने के लिए बाद में निगमकर्मियों ने हथौड़े का उपयोग करते हुए मकान के कुछ हिस्से को तोड़ा।

भाजपा ने इस ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का स्वागत किया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने होली के दिन उत्तम नगर में हुई हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए जिससे ऐसी हरकत करने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सर्व धर्म समभाव की संस्कृति वाले भारत देश में इस तरह की सांप्रदायिक सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता जिसमें किसी एक समुदाय के लोग किसी दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान न कर सकें। उन्होंने अभियुक्त परिवार का अवैध रूप से निर्मित मकान तोड़े जाने का स्वागत किया। सचदेवा ने कहा कि अतिवादियों ने पहले भी इस तरह की सांप्रदायिक घटनाओं को अंजाम दिया था, लेकिन अब इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि तरुण की हत्या के आरोपियों को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हर धर्म समुदाय के लोग आपसी भाई चारे को बनाए रखते हुए रहते आए हैं और दिल्ली को अपनी इस संस्कृति पर गर्व रहा है। इस संस्कृति को चोट पहुंचाने की किसी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता। आरोप है कि होली के दिन 4 मार्च को होली खेलने के दौरान एक बची के हाथों रंग का गुब्बारा दूसरे समुदाय की एक महिला पर पड़ जाने से विवाद खड़ा हो गया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि एक साजिश रचकर तरुण को बुलाकर करीब डेढ़ दर्जन लोगों ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के परिजनों ने आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर सरकार पर साधा निशाना, NAAQS की समीक्षा पर दिया जोर

नई दिल्ली । कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए 2009 के नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (की तत्काल समीक्षा और उन्नयन किए जाने की रविवार को मांग की और जोर देकर कहा कि इन्हें अधिक प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए। कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा, पीएम 56 इंच का पर्दाफाश हो गया है, पीएम 2.5 अब सच है। रमेश ने एक्स पर लिखा, पीएम2.5, यानी 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास वाला कण पदार्थ पूरे देश में गंभीर पर्यावरण-स्वास्थ्य संकट का कारण बन चुका है। उन्होंने दिसंबर 2024 में द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ में प्रकाशित एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें 2009-2019 के बीच 655 जिलों के आंकड़ों के आधार पर यह पाया गया कि पीएम2.5 सांद्रता में हर 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के इजाफे से मृत्युदर में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि 2025 के लैंसेट काउंटडाउन के अनुमान के अनुसार, हर साल लगभग 17.2 लाख भारतीयों की पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मौत हो जाती है, जो 2010 की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। रमेश ने यह भी कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2024, 2025 और 2026 में संसद को यह बताया था कि वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों का कोई सटीक आंकड़ा प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संचालित परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों से प्राप्त आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण किया है .

नेपाल में जेन-जी सरकार

पड़ोसी देश नेपाल में हुए आम चुनावों में वहां की राजनीति में बड़ा उल्टफेर हो चुका है। चुनाव में काठमांडो के पूर्व मेयर बालेन्द्र शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी प्रचंड बहुमत की ओर अग्रसर है। जबकि दशकों से सत्ता में रहे पारम्परिक दल बुरी तरह से पिछड़ गए हैं। भारत विरोधी पूर्व प्रधानमंत्री के.पी.?शर्मा ओली को अपने निर्वाचन क्षेत्र में ही बालेन्द्र शाह से हार का मुंह देखना पड़ा है। के.पी. शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल), पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प दहल प्रचंड की सीपीएम (माओइस्ट सैंटर) और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। बालेन्द्र शाह जिन्हें बालेन शाह भी कहा जाता है, का प्रधानमंत्री बनना तय है। वह भारत के बेलगांव (कर्नाटक) से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त कर नेपाल की राजनीति में कूदे थे। वे एक लोकप्रिय रैपर और यूट्यूबर बने और फिर काठमांडो के मेयर बने। उन्होंने नेपाल की राजनीति की तस्वीर बदल कर रख दी है। बालेन्द्र उन प्रदर्शनकारियों में से थे जो सितम्बर 2025 में सड़कों पर उतरे थे और जेन-जी आंदोलन के कारण उस समय की के.पी. शर्मा ओली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा था। नेपाल का जनादेश नेतृत्व में पीढ़ीगत बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। नेपाल की जनता को जेन-जी की नई सरकार से बहुत उम्मीदें हैं। नेपाल में 19 मिलियन पंजीकृत मतदाताओं में से 60 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिन मुद्दों पर चुनाव लड़े गए वे वही थे जो पिछले साल के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान उठाए गए थे। चुनावी मुद्दों में घोटाले, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पलायन, असमानता और कमजोर आर्थिक हालत शामिल रहे। हमारे आस-पड़ोस श्रीलंका और बांग्लादेश में भी किशोरों, नौजवानों ने अपने-अपने निजाम की चूलें हिला दी थीं और इन देशों में लोकप्रिय सरकारों का गठन हो चुका है। नेपाल तीसरा देश है जहां जेन-जेड की सरकार बन रही है। नेपाल की राजनीति में 2008 में राजशाही के खात्मे के बाद लोकतंत्र का सूर्य जरूर निकला मगर राजनीतिक स्थिरता मृगतृष्णा ही बनी रही। इस छोटे से देश ने 17 साल में 14 प्रधानमंत्रियों को आते-जाते देखा और सत्ता की बंदरबांट को लगातार देखा। माओवादी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड हों या शेर बहादुर देउबा, मधेसी आंदोलन से उपजे नए नेता हों या फिर के.पी. शर्मा ओली कभी विश्वासघात ने, कभी गठबंधन की जंग ने और कभी जनता के गुस्से ने प्रधानमंत्रियों को कुर्सी छोड़ने पर मजबूर किया। हर चेहरा सत्ता में आया लेकिन स्थिरता लाने में नाकाम रहा। औसतन हर 14, 15 महीने में नेपाल के लोगों को नया प्रधानमंत्री ?मिला। जनता ने सोचा था कि अब देश नई दिशा में आगे बढ़ेगा। गरीबी हटेगी, रोजगार मिलेगा, बुनियादी ढांचा सुधरेगा और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंध बनेंगे लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल उल्ट निकली। नेपाल में नया संविधान बनाने और उसको लागू करने में उथल-पुथल मची रही। आंदोलनों का दौर चला। शासन में नेपाल के भारत से संबंध काफी तनावपूर्ण रहे और उन्होंने नेपाल को पूरी तरह चीन के हाथों गिरवी रख दिया था। भारत और नेपाल के संबंध रोटी और बेटी के रहे हैं। हालांकि संबंधों में काफी उतार-चढ़ाव भी आता रहा है। भारत न केवल नेपाल का निकटतम बाजार है, बल्कि व्यापार, ऊर्जा, आपूर्ति और मौद्रिक स्थिरता का प्रमुख केन्द्र भी है। नेपाल के कुल व्यापार में नई दिल्ली के साथ व्यापार का हिस्सा लगभग 63 फीसदी है। जिसमें भारत उसके निर्यात का 68 प्रतिशत हिस्सा ग्रहण करता है।

भारत ने हर संकट में नेपाल की सहायता ही की है। काफी हद तक नेपाल भारत पर निर्भर रहा है। नेपाल की सियासत में चीन का हस्तक्षेप बढ़ने से संबंधों पर काफी प्रभाव पड़ा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि नेपाल की नई सरकार के भारत के साथ संबंध कैसे रहेंगे। बालेन्द्र शाह के कुछ पुराने बयानों ने भारत को चिंता में डाला था। 2023 में उन्होंने बालीवुड फिल्म में सीता को 'भारत की बेटी' कहने पर भारतीय फिल्मों पर बैन की मांग की थी, क्योंकि नेपाली परंपरा में सीता का जन्म नेपाल या नेपाल-बिहार बॉर्डर पर माना जाता है। उसी साल उन्होंने अपने ऑफिस में 'ग्रेटर नेपाल' का मैप लगाया था, जिसमें कुछ भारतीय क्षेत्र शामिल थे और इसे भारत के संसद में 'अखंड भारत' म्यूरल का जवाब बताया। वर्ष 2025 में एक पोस्ट में भारत, अमेरिका और चीन के खिलाफ गाली-गलौज वाली भाषा इस्तेमाल की, जिसे बाद में डिलीट कर दिया लेकिन हाल के महीनों में उनके रुख में बदलाव दिखा है। आरएसपी के मेनिफेस्टो से चीन की बीआरआर से जुड़े दमक इंडस्ट्रियल पार्क प्रोजेक्ट को हटा दिया गया, जो ओली के गढ़ झापा-5 में था। यह भारत के लिए राहत की बात है, खासकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा के लिहाज से आरएसपी बैलेंस्ड विदेश नीति पर जोर दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि शासन का सीमित अनुभव होने के कारण बालेन्द्र शाह की विदेश नीति कभी-कभी अप्रत्याशित हो सकती है। जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई सरकार को भारत और चीन के साथ संतुलन बनाकर चलना होगा। नई सरकार के घरेलू रोजगार सृजन, अर्थव्यवस्था में सुधार, महंगाई नियंत्रण पर अत्याधिक ध्यान देना होगा। लोगों की चिंता का मूल कारण गहरी आर्थिक कमजोरी है। नेपाल की नाजुक अर्थव्यवस्था को नई सरकार किस तरह से सम्भालती है यह अपने आप में बहुत बड़ी चुनौती है। भारत और नेपाल में कई संधियां हैं। पुरानी संधियों को लेकर भी कुछ मतभेद बने हुए हैं। नेपाल की नई सरकार को भारत के साथ संधियों को चाहे वह जल-विद्युत परियोजना हो या अन्य संबंध उन्हें विश्वसनीय अनुबंधों में बदलना होगा और भारत के साथ संबंधों को दिखावे की बजाय पेशेवर तरीके से प्रबंधित करना होगा। नेपाल की नई सरकार को चीन से भी सतर्क रहना होगा, क्योंकि चीन पहले सहायता करता है फिर छोटे देशों को ऋण के जाल में फंसाता है, फिर उनकी भूमि हड़प लेता है। चीन ने श्रीलंका और अन्य देशों में ऐसा ही किया है।

नए नेतृत्व को स्वच्छ शासन की छवि बनानी होगी। वैश्विक और क्षेत्रीय परिस्थितियां भी नई सरकार के लिए एक चुनौती है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए नई पीढ़ी को?धैर्य और प्रतिबद्धता की जरूरत होगी। नेपाल में एक ही पार्टी को बहुमत मिलना नेपाली जनता की राजनीतिक स्थिरता की इच्छा को भी दर्शाते हैं। नेपाल में स्थिर एवं मजबूत सरकार का बनना भारत के लिए बेहतर होगा। इसकी उम्मीद की जा सकती है।

सम्पादकीय

यूनिवर्सिटी हो तो गोटिया जैसी

यूनिवर्सिटी हो तो गोटिया जैसी हो, नहीं तो हो ही नहीं। जी हाँ आपने ठीक ही पढ़ा। मैंने यही कहा है, यूनिवर्सिटी गोटिया जैसी ही होनी चाहिए। ऐसी यूनिवर्सिटी जो विश्व प्रसिद्ध हो। ऐसी यूनिवर्सिटी जो देश का नाम दुनिया भर में रोशन कर सके। ऐसी यूनिवर्सिटियां ही देश को विश्व गुरु बना सकती हैं। गोटिया यूनिवर्सिटी ने कुछ ऐसा किया कि वह विश्व प्रसिद्ध हो गई। यूनिवर्सिटी ने पहले भी कोशिशें की थीं पर उनमें कोई न कोई कमी रह गई थी कि यूनिवर्सिटी विश्व प्रसिद्ध नहीं बन पाई। पत्र पत्रिकाओं में पूरे पूरे पेज के, दो दो पेज के विज्ञापन छपवाये। उनके बल पर प्राइवेट यूनिवर्सिटियों की रैंकिंग में उच्च स्थान प्राप्त किया पर वह बात नहीं बन पाई जो बननी चाहिए थी। बहुत सारे पेटेंट भी रजिस्टर करवाए। ढाई तीन हज़ार तो करवा ही दिये होंगे। सारी महान प्राइवेट यूनिवर्सिटियां इतने ही पेटेंट रजिस्टर करवाती हैं। जबकि किसी भी आईआईटी के पेटेंट कुछ सौ में ही होते हैं। तो इस मामले में भी गोटिया टॉप के विश्वविद्यालयों में रही। पर यह पराक्रम भी केवल विज्ञापनों में लिखने के काम ही आया। न तो प्रसिद्धि ही मिल पाई और न ही पेटेंट स्वीकृत हो पाए। विश्व की निगाहों से भी दूर ही रही। अपने छात्रों को सरकार की विरोधी पार्टी के प्रचार में भी भेज दिया। छात्रों को मुद्दा तक नहीं बताया गया पर अच्छे नंबर का भरोसा तो दिलाया ही गया होगा। कुछ पत्रकार ने छात्रों की बाइट ली और कार्यक्रम में चला दी। प्रसिद्धि तो मिली पर जरा कम रह गई। फिर आया एआई समिट। ग्लोबल समिट। नाम थाकू इंडिया एआई इम्पेक्ट समिट। समिट में प्रसिद्धि लायक बहुत कुछ हुआ। सरकार जी का फोटो सेशन हुआ। समिट में भाग लेने वाले लोगों के स्टाल से सामान चोरी हो गया। समिट एआई की थी पर वाइफाई नहीं था, इंटरनेट नहीं था। डिजिटल इंडिया में एआई समिट में डिजिटल लेन देन गायब था। घोर अव्यवस्था का आलम था। कांग्रेस का टी शर्ट उतार प्रदर्शन हुआ। इन सब की चर्चा तो हुई पर उतनी नहीं कि एआई समिट विश्व प्रसिद्ध हो पाती। इस समिट को विश्व भर में प्रसिद्धि मिली गोटिया यूनिवर्सिटी से। खबर है कि चार पांच आईआईटीयों को मिला कर इतना बड़ा पेवेलियन नहीं मिला था जितना बड़ा अकेले गोटिया यूनिवर्सिटी को मिला। एआई के फील्ड में गोटिया ने काम ही इतना अधिक किया है कि इतना बड़ा पेवेलियन तो बनता ही था। गोटिया ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंट और डाटा साइंस के लिए साढ़े तीन सौ करोड़ खर्च करने की बात कही। गोटिया यूनिवर्सिटी ने वह किया जो आजकल देश भर में हो रहा है। मेक इन इंडिया के नाम पर हो रहा है। डिब्बे और लेबल अधिक बन रहे हैं, सामान कम बन रहा है। बाहर से सामान मंगवा कर उसे अपने डिब्बे में, अपना लेबल लगा पैक करना हो रहा है। सब यही कर रहे हैं और गोटिया ने भी यही किया। उसने चीन से एक रोबोट कुत्ता मंगवा कर उसे अपने यहाँ बना बता दिया। इससे एआई समिट को ही नहीं, गोटिया यूनिवर्सिटी को भी पूरे देश में ही नहीं, विश्व भर में प्रसिद्धि मिली। तो देश की सरकार का, सरकार जी की सरकार का कर्तव्य है कि शिक्षा की उन्नति के लिए, देश की प्रसिद्धि के लिए, जेएनयू, जामिया, जाधवपुर जैसे विश्वविद्यालयों को बर्बाद करे, आईआईटी और ऐसे उच्च संस्थानों में गोमूत्र और गोबर पर अनुसंधान करवाए और गोटिया जैसी यूनिवर्सिटी को सेंटर फॉर एक्सीलेंस घोषित करे।

क्या नीतीश डिप्टी पीएम बनेंगे?

त्रिदीब रमण

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भले ही भाजपा के दबाव में बिहार से रायसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया हो, पर उनका मन अब भी बिहार में ही रमा हुआ है, वे यहां से जाना नहीं चाहते। नीतीश समर्थकों का भी कमोबेश यही रुख है कि 'अगर बिहार की जनता ने उन्हें 2030 तक के लिए अपना 'मैंडेट' दिया है तो फिर वे बिहार छोड़ कर क्यों जाए?' माना जाता है कि इससे पहले भी उन्हें भाजपा की ओर से उपराष्ट्रपति पद का ऑफर आया था, पर नीतीश ने इसके लिए मना कर दिया था। वे लगभग 20 वर्षों से बिहार के मुख्यमंत्री पद पर काबिज हैं, उनकी पार्टी के 85 विधायक और 12 लोकसभा सांसद हैं, फिर वे 37 वर्षों बाद बिहार छोड़कर दिल्ली क्यों जाएं? यह भी माना जा रहा है कि 5 मार्च को यूं अचानक उनका रायसभा के लिए पर्चा भरना एक दबाव में लिया गया फैसला था, क्योंकि उसी रोज वे अपने पुत्र निशांत को सक्रिय राजनीति में लाने की एक बड़ी घोषणा करने वाले थे। सूत्रों का यह भी दावा है कि नीतीश की जान अपने जिस पुत्र तोते में अटकी है। सूत्र यह भी इशारा कर रहे हैं कि रह-रह कर नीतीश का विरोध आकार ले रहा है। सो, अब दिल्ली ने भी दबाव की राजनीति छोड़ कर नीतीश के समक्ष एक बड़ा प्रस्ताव रखा है। सूत्रों की मानें तो दिल्ली ने नीतीश को डिप्टी पीएम बनाने का प्रस्ताव दिया है अगर वे बिहार छोड़कर दिल्ली जाने को राजी हो जाते हैं। भाजपा की नज़र बिहार में नीतीश की परंपरागत वोट बैंक पर जमी है, जिसमें महिला वोटर, गैर यादव ओबीसी और लगभग 36 फीसदी ईबीसी आबादी शामिल है। अब भाजपा अपना मुख्यमंत्री बना इस वोट बैंक को साधने का काम कर सकती है, पर एक संभावना यह भी है कि अगर नीतीश बिहार छोड़कर दिल्ली जाते हैं तो उनका ये वोट बैंक टूट कर-छिटक कर अन्य पार्टियों का रुख कर लें, सो भाजपा की योजना नीतीश के बेटे निशांत के लिए एक बिहार यात्रा निकालने की है जिससे उनके पिता के कैडर वोट पुत्र के पाले में आ सके। वहीं नीतीश के करीबी नौकरशाह मनीष वर्मा नीतीश से यही कहते रहे कि वे अपनी जगह अपने पुत्र निशांत को रायसभा में भेज दें, पर बदली परिस्थितियों में नीतीश का रायसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना लगभग तय हो गया है। बिहार के पूर्व गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान की यूं अचानक उनकी विदाई की इबारत लिख दी गई या अपनी रुखसती का उन्हें पहले से इल्म था। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो आरिफ को कोई पखवाड़े पूर्व इस बात का अहसास हो गया था कि 'उनकी गवर्नरी छिनी जा सकती है', कहते हैं इसके बाद ही दक्षिण दिल्ली के एक अति संभ्रांत इलाके में अवस्थित उनके बंगले की रंगाई-पुताई शुरू हो गई, जब कुछ पत्रकारों को इस बात की भनक मिली तो आरिफ के नजदीकियों की ओर से उन्हें बताया गया कि 'दरअसल महामहिम (आरिफ) के लिए एक निजी लाईब्रेरी बनाने पर काम चल रहा है', महामहिम से जुड़े सूत्रों ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि 'फिलहाल उनका (आरिफ) दिल्ली वापस लौटने का कोई इरादा नहीं है।' फिर ऐसा क्या हुआ कि एक दिन अचानक बिना किसी नियोजित प्रोग्राम के आरिफ एक अनजान जगह के लिए छुट्टियों पर निकल जाते हैं। आरिफ को यह आश्वासन प्राप्त था कि बिहार के बाद उन्हें वेस्ट बंगाल भेजा जा सकता है, सो आरिफ के मन के किसी कोने में कतई इस संशय ने सिर नहीं उठाया होगा कि उन्हें एक झटके में यूं पैदल किया जा सकता है। जानकार बताते हैं कि इस बार बिहार में 'ऑपरेशन लोट्स' की पूरी तैयारी थी, वहीं आरिफ अपने मूल में सियासत में पगे एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनको सियासी संतुलन साधने में महारथ हासिल थी। बिहार में भी उनकी लालू और नीतीश दोनों से बराबर की मित्रता थी, सो भाजपा को यह अंदेशा था कि अगर नीतीश को हटाने पर यादा बवाल मचा तो बिहार में संक्रमण काल की उस राजनीतिक दौर में आरिफ पत्थर पर फूल खिलाने का काम कर सकते हैं, यानी वे लालू व नीतीश के बीच एक संवाद सेतु का कार्य कर सकते हैं, वैसे भी नीतीश को पलटने में सिद्दहस्ता हासिल है सो वे भाजपा के मारे एक बार फिर लालटेन की रौशनी में अपने सियासी भविष्य का 'रोड-मैप' तलाश सकते हैं। वहीं अगर बदले घटनाक्रम में जदयू में बड़ी टूट हो गई तो आरिफ भाजपा के लाभार्थी बनने की राह में खड़े नज़र आ सकते हैं, वहीं दूसरी ओर बिहार के नवनियुक्त गवर्नर सैय्यद अता हुसैन जो कि एक फौजी बैक ग्राऊंड के हैं उनका यादा यकीन 'रूलबुक' के हिसाब से चलने में हो सकता है, यही बात भाजपा के यादा मुफीद है। वहीं इस मामले में आरिफ का नज़रिया कहीं यादा स्वतंत्र और राजनीति अवलंबित हो सकता था, यह एक बड़ी वज़ह थी जिसने आरिफ की रुखसती की इबारत लिख दी। कोई चार वर्षों तक दिल्ली में उप रायपाली का जिम्मा संभाल रहे विनय सक्सेना को जिस जल्दबाजी में लद्दाख भेजा गया, राजनीतिक पर्यवेक्षक अब भी इसका सही कारण तलाशने में जुटे हैं, नहीं तो दिल्ली में भाजपा सरकार की वापसी का रोड मैप बनाने के लिए सक्सेना साहब ने क्या नहीं किया, भाजपा को दिल्ली में पुनर्स्थापित करने और जमी-जमाई आप सरकार को यहां से रुखसत करने में कोई भी उनकी भूमिका को कम करके नहीं आंक सकता। खैर, चलिए बात करते हैं दिल्ली में सक्सेना साहब की जगह लेने वाले पूर्व भारतीय राजनयिक तरणजीत सिंह संधू की। जिन्हें संघ और भाजपा दोनों का ही बेहद लाडला माना जाता है। वे 2024 का लोकसभा चुनाव इस दफे भाजपा के टिकट पर अमृतसर से लड़े थे, पर जीत दर्ज करा पाने में नाकामयाब रहे। अमेरिका में भारतीय राजदूत रहे संधू साहब का दिल्ली में लेफ्टिनेंट गवर्नरी हासिल करना किसी चमत्कार से कम नहीं। समझा जाता है कि उनके लिए इस दफे सबसे बड़ी लॉबिंग शिरोमणि अकाली दल के सर्वेसर्वा सुखबीर सिंह बादल ने की। यह भी कहा जाता है कि इस दफे अकाली दल व भाजपा को चुनावी गठबंधन के लिए तैयार करवाने में संधू की एक महती भूमिका रही। समझा जाता है कि संधू साहब की अब भी मौजूदा अमेरिकी प्रशासन से गहरे तार जुड़े हैं। सो, उनकी असली अग्नि परीक्षा भारत-अमेरिका के रिश्तों के उलझे पेंचोखम को सुलझाने की है, उनसे दिल्ली ने इस बारे में पहले से ही कहीं यादा उम्मीदें पाली हुई हैं। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह शनिवार को उत्तराखंड के दौरे पर थे, जहां उन्हें 1100 करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करना था। सूत्रों की मानें तो उत्तराखंड यात्रा का असली मकसद वहां भाजपा के विभिन्न गुटों में एका कराना और उन्हें आगामी चुनाव के लिए तैयार करना है। समझा जाता है कि भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अभयदान मिल गया है और यह भी एक तरह से तय कर दिया गया है कि प्रदेश में धामी विरोध की अलख चाहे जितनी भी सुलग रही हो पर वहां सीएम बदला नहीं जाएगा, यानी भाजपा धामी के नेतृत्व में ही एक बार फिर से आने वाले उत्तराखंड चुनाव की तैयारियों में जुट गई है।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। **Phone : 9810674206**

बृजमोहन अग्रवाल ने किया मौली एनर्जी पाइंट का शुभारंभ, सोनू ममता तिवारी ने कहा- महिलाएं किसी से कम नहीं

रायपुर । रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित बोरिया खुर्द कांदुल रोड अर्जुन विहार में मौली एनर्जी पॉइंट का शुभारंभ किया। अब रायपुर शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र अर्जुन विहार में भी पेट्रोल पंप खुलने से लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। उन्हें पेट्रोल भरवाने के लिए रायपुर शहर आना नहीं पड़ेगा। इस दौरान मीडिया से चर्चा में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वार्ड नंबर 67 की बीजेपी पार्षद सोनू ममता तिवारी ने पेट्रोल पंप का शुभारंभ किया है। इस पेट्रोल पंप पर सभी महिला कर्मचारी हैं। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए सभी महिला कर्मचारियों को रोजगार दिया गया है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ता और पार्षद सोनू ममता तिवारी ने पेट्रोल पंप का शुभारंभ किया है। निश्चित रूप से इस क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। अब आसपास के लोगों को शहर में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें यहीं पर पेट्रोल पंप आसानी से मिल सकेगा। मेरी शुभकामनाएं हैं कि वह लोगों को सुविधा दें। वहीं नीतीश कुमार को रायसभा भेजे जाने पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल के तंज पर सांसद अग्रवाल पलटवार करते हुए कहा कि नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर के नेता हैं । अब वह राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति करेंगे। देश की सेवा के साथ ही उनका जो कद है उसके अनुरूप काम करेंगे। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। भूपेश बघेल अपने आप को राष्ट्रीय स्तर के नेता मानते हैं पर वे छत्तीसगढ़ में ही सिमट कर रह गए हैं। इस वजह से वह बौखलाहट में इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पार्षद सोनू ममता तिवारी ने पेट्रोल पंप खुला है तो इससे साबित होता है कि अब महिलाएं पुरुषों से कम नहीं है। अब महिलाएं बिजनेस के साथ-साथ सेवा के क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं। मेरा मानना है कि महिलाएं अपने आप को कम ना समझें । देश परिवार और समाज की सेवा में कार्य करें। अंत में सांसद अग्रवाल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को बधाई और शुभकामनाएं दी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस- टॉप-100 महिला उद्यमियों को सीएम मान करेंगे सम्मानित, 25 हजार रुपये का देंगे नकद इनाम

चंडीगढ़ ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिला उद्यमशीलता की भावना का जश्न मनाने के लिए शुरू किए गए भगवंत मान सरकार के महिला उद्यमी सम्मान कार्यक्रम को राय भर की महिलाओं से ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

यह पहल आप सरकार के महिला मज़बूती को बढ़ावा देने और महिलाओं को उद्यमशीलता के ज़रिए अपनी पहचान बनाने में मदद करने के प्रतिबद्धता को दिखाती है। प्रोग्राम का पहला फेज़ 2 मार्च से 6 मार्च तक पंजाब के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों में हुआ था, जहां व्यापार और स्वंय रोजगार अलग-अलग रूपों में काम कर रहीं महिलाओं को उनकी उपलब्धियों और योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। हर चुनाव क्षेत्र में, गांवों या शहरी इलाकों की 100 महिला उद्यमियों को आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। इस कैंपेन को ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिला है, जिस के तहत पंजाब राय ग्रामीण आजीविका मिशन पोर्टल के ज़रिए 28 हजार से ज़्यादा नॉमिनेशन मिले हैं। इतनी बड़ी संख्या में नॉमिनेशन उद्यमशीलता में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने के उनके पक्के इरादे को उजागर करती है। अब तक, चुनाव क्षेत्र स्तर पर सम्मान समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं, जहां स्थानीय प्रतिनिधियों और समुदाय के सदस्यों की मौजूदगी में महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया। इसके बाद ज़िला और राय स्तर के कार्यक्रम होंगे, जिनमें छोटे व्यापार, घरेलू उद्योगों, कृषि से जुड़े काम और अलग-अलग सर्विस सेक्टर में अपनी पहचान बनाने वाली महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया जाएगा। इस प्रोग्राम के तहत अवॉर्ड देने की प्रक्रिया कई पड़ावों में चलाई जा रही है। चुनाव क्षेत्र लेवल पर लगभग 11,700 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया है। इनमें से 23 जिलों में 2,300 महिलाओं को जिला लेवल पर पहचान के लिए चुना जाएगा, जहां हर जिले से 100 महिलाओं को उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। प्रोग्राम का अंतिम पड़ाव 18 मार्च को राय स्तरीय समारोह में होगा, जहां पंजाब भर की टॉप 100 महिला उद्यमियों को मुख्यमंत्री भगवंत मान सम्मानित करेंगे। इन चुनी गई हर महिला को उनकी एंटरप्रेन्योरशिप की उपलब्धियों के लिए 25,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पंजाब सरकार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को सिर्फ़ 8 मार्च को एक दिन के समरोह के तौर पर नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण को समर्पित महीने भर चलने वाले जश्न के तौर पर मना रही है। महिला उद्यमी सम्मान जैसी पहलों के ज़रिए, सरकार का मकसद ज़्यादा से ज़्यादा महिलाओं को उद्यमशीलता के क्षेत्र में आने और अपने समुदायों में आर्थिक बदलाव की लीडर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। राय की अर्थव्यवस्था में महिलाओं के योगदान को पहचानने और हज़ारों अन्य लोगों को आत्मनिर्भरता और इनोवेशन को बढ़ावा देने की दिशा में उठाए गए इस कदम की हर तरफ तारीफ हो रही है।

दरबार साहिब में जयकारों के साथ हुआ श्री झंडे जी का आरोहण, भक्तों का उमड़ा सैलाब, गूंजे जयघोष

देहरादून ।

देहरादून में ऐतिहासिक श्री दरबार साहिब में विश्व प्रसिद्ध झंडे जी मेले का शुभारंभ हो गया है। श्री गुरु राम राय महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर 94 फीट ऊंचे पवित्र ध्वजदंड का विधि-विधान के साथ आरोहण किया गया।

इस दौरान हजारों श्रद्धालु दरबार साहिब पहुंचे और 'धन-धन श्री गुरु राम राय' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। रविवार सुबह परंपरा के अनुसार झंडे जी को उतारा गया। इसके बाद धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ दही, घी और गंगाजल से उसका स्नान कराया गया। स्नान के बाद ध्वजदंड पर पहले सादे गिलाफ चढ़ाए गए और फिर मखमली व सनील के गिलाफ चढ़ाने की प्रक्रिया पूरी की गई। दोपहर बाद निर्धारित समय पर हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में झंडे जी का आरोहण किया गया। इस दौरान परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। इस वर्ष झंडे जी पर मुख्य दर्शनी गिलाफ चढ़ाने का सौभाग्य देहरादून के व्यापारी अनिल कुमार गोयल के परिवार को मिला। परिवार ने इसके लिए करीब 22 वर्ष पहले बुकिंग कराई थी। संगत की मौजूदगी में परिवार ने यह धार्मिक परंपरा निभाई।

सुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

झंडे जी के आरोहण को देखने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दरबार साहिब पहुंचने लगे थे। दोपहर तक पूरा परिसर संगत से भर गया। देश के अलग-अलग रायों के साथ-साथ विदेशों से भी श्रद्धालु इस मेले में शामिल होने पहुंचे।

गुरु राम राज्य महाराज के आगमन से जुड़ा है इतिहास

झंडे जी मेले का इतिहास 1676 में गुरु राम राय महाराज के देहरादून आगमन से जुड़ा है। मान्यता है कि उनके डेरा डालने के कारण ही इस क्षेत्र का नाम देहरा-दून पड़ा। तब से यह मेला आस्था और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बन गया है, जहां हर धर्म के लोग मत्था टेकने आते हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, क्षेत्र बना जीरो जोन

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने दरबार साहिब के आसपास के क्षेत्र को जीरो जोन घोषित किया है। यातायात के लिए रूट डायवर्जन लागू किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है।

10 मार्च को होगी नगर परिक्रमा

झंडे जी मेला 27 मार्च तक चलेगा। मेले के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें 10 मार्च को होने वाली नगर परिक्रमा को विशेष महत्व दिया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

रायपुर में गर्भवती महिला से मारपीट का आरोप, डॉग रेस्क्यू संस्था संचालिका पर केस दर्ज

रायपुर । राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती क्षेत्र में एक गर्भवती महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि डॉग रेस्क्यू संस्था से जुड़ी एक महिला और उसके साथियों ने सार्वजनिक स्थान पर पीड़िता के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार भिलाई निवासी गुरप्रीत कौर अपने पति के साथ रहती हैं और उनके पास दो पालतू कुत्ते थे। कुछ दिन पहले वह भाठागांव स्थित एक होटल में रुकी थीं। इसी दौरान होटल प्रबंधन ने उनके कुत्तों को बाहर छोड़ दिया। बाद में उनमें से एक कुत्ता घायल अवस्था में मिला और 27 फरवरी को उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कुत्ते की मौत की जानकारी मिलने के बाद डॉग रेस्क्यू संस्था चलाने वाली किरण आहूजा अपने कुछ साथियों के साथ होटल पहुंची। उस समय गुरप्रीत अकेली थीं। आरोप है कि किरण और उसके साथियों ने कुत्ते को मारने का आरोप लगाते हुए उन्हें बाहर बुलाया और गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और धमकी भी दी। घटना के दौरान वह अकेली थीं, जबकि दूसरी ओर कई लोग मौजूद थे। इस घटना से वह मानसिक रूप से काफी आहत हो गई हैं। गुरप्रीत ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान आरोपी महिला उनका मोबाइल फोन और एक कुत्ता भी अपने साथ ले गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद परिजनों ने पुरानी बस्ती थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुरानी बस्ती थाना पुलिस ने वीडियो फुटेज के आधार पर किरण आहूजा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि गुरप्रीत कौर चार माह की गर्भवती हैं। ऐसे में उनके साथ हुई मारपीट को लेकर परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की बात कही है।

उत्तराखंड के रायपाल के हेलिकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी- श्रीनगर में करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग, बजट सत्र के लिए गैरसैंण जा रहे थे

राज्यपाल गुरमीत सिंह

देहरादून । उत्तराखंड के रायपाल रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह के हेलिकॉप्टर में उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। रायपाल गैरसैंण जा रहे थे, जहां सोमवार से विधानसभा का सत्र शुरू होना है और पहले दिन बजट पेश किया जाना है। तकनीकी खराबी का अलर्ट मिलते ही पायलट ने तुरंत एहतियात के तौर पर हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला लिया।

इसके बाद चॉपर को श्रीनगर स्थित जीवीके हेलीपैड पर सुरक्षित उतार लिया गया। पायलट की सूझबूझ और तत्परता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद रायपाल को सुरक्षा के बीच श्रीनगर स्थित पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया, जहां वे पूरी तरह सुरक्षित हैं। रायपाल टिहरी से गैरसैंण जा रहे थे।

गैरसैंण में विधानसभा सत्र के लिए जा रहे थे

रायपाल गुरमीत सिंह चमोली जिले के गैरसैंण जा रहे थे। सोमवार से वहां उत्तराखंड विधानसभा का सत्र शुरू होना है और पहले दिन बजट पेश किया जाना है। इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वे हेलिकॉप्टर से चमोली के गैरसैंण के लिए रवाना हुए थे, लेकिन रास्ते में तकनीकी खराबी सामने आने के बाद श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार हेलिकॉप्टर जब उड़ान में था, तभी करीब डेढ़ बजे पायलट को तकनीकी खराबी का संकेत मिला। स्थिति को भांपते हुए पायलट ने तुरंत एहतियाती कदम उठाया और किसी तरह का जोखिम नहीं लिया। इसके बाद हेलिकॉप्टर को नजदीकी सुरक्षित स्थान की ओर मोड़ते हुए श्रीनगर के जीवीके हेलीपैड पर सफलतापूर्वक उतार लिया गया। पायलट की सूझबूझ से संभावित हादसा टल गया।

श्रीनगर गेस्ट हाउस भेजे गए, जांच शुरू

हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना मिलते ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत रायपाल को हेलीपैड से सुरक्षित निकालकर श्रीनगर स्थित पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया। इधर, तकनीकी टीम हेलिकॉप्टर में आई खराबी की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही रायपाल के आगे के कार्यक्रम और अगली उड़ान को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

टिहरी झील महोत्सव में शामिल हुए, फिर गैरसैंण के लिए रवाना हुए

चार दिवसीय हिमालयन टिहरी झील महोत्सव के तीसरे दिन आज सुबह पहले रायपाल टिहरी के कोटी कॉलोनी पहुंचे थे। यहां उन्होंने महोत्सव में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान टिहरी झील में एयर शो का आयोजन किया गया, जिसे रायपाल ने देखा। उन्होंने महोत्सव में लगे स्टालों का निरीक्षण किया और अमर शहीद श्रीदेव सुमन की बेड़ियों के भी दर्शन किए। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रायपाल हेलिकॉप्टर से चमोली जिले के गैरसैंण के लिए रवाना हो गए, जहां विधानसभा सत्र में शामिल होने का कार्यक्रम है।

उत्तराखंड में यूं दिखा नारी शक्ति का जलवा- गिव टू गेन का संदेश, जल सखियों का सम्मान और सेहत की सौगात

देहरादून ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के मौके पर रविवार को राजधानी देहरादून सहित पूरे प्रदेश में नारी शक्ति का वंदन किया गया। कहीं हर घर जल पहुंचाकर जिंदगी आसान बनाने वाली जल सखियों का सम्मान हुआ, तो कहीं महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए विशेष मेडिकल कैंप लगाए गए।

इसके साथ ही, भाजपा महिला मोर्चा ने गिव टू गेन की थीम के साथ प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का नया संकल्प लिया।

जल संरक्षण की नायिकाओं को मिला नीर नारी शक्ति सम्मान

सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी ऑडिटोरियम में जल महोत्सव पखवाड़े के तहत नीर नारी शक्ति सम्मान- 2026 का भव्य आयोजन किया गया। राय और जिला जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। राय भर से आईं ग्राम प्रधानों, जल सखियों, ग्राम पेयजल समिति की सदस्यों, पर्यावरण सखियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कुसुम कंडवाल ने कहा कि जल जीवन मिशन से महिलाओं का कार्यबोझ घटा है। अब पानी लाने के लिए उन्हें मीलों दूर नहीं जाना पड़ता, जिससे जंगली जानवरों का खतरा भी कम हुआ है। बचे हुए समय का इस्तेमाल महिलाएं अपनी आजीविका बढ़ाने और बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं।

नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के जरिए दूषित पानी से होने वाली बीमारियों में आई कमी और सामाजिक बदलाव को दर्शाया गया। इस मौके पर मिशन निदेशक रोहित मीणा, अधीक्षण अभियंता सुनील तिवारी, मिशा सिन्हा व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं के लिए 50फीसदी छूट वाला विशेष मेडिकल कैंप

महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) उत्तराखंड ने भी महिला दिवस पर खास पहल की। एसपी (जीआरपी) अरुणा भारती के निर्देशन में एक विशेष मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में महिला पुलिसकर्मियों, रेलवे स्टाफ और आम महिलाओं को सभी चिकित्सीय सेवाओं और जांचों पर 50फीसदी की छूट दी गई। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन और महिला रोगों से जुड़ा परामर्श दिया।

गिव टू गेन से ही बनेगा विकसित राष्ट्र

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट ने प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गिव टू गेन की थीम पर जोर देते हुए कहा कि जब समाज महिलाओं को सहयोग देता है, तो उसका लाभ पूरे राष्ट्र को मिलता है। मोर्चा पूरे प्रदेश के हर जिले में 8 और 9 मार्च को विशेष कार्यक्रमों के जरिए महिलाओं के बीच पहुंच रहा है। रुचि भट्ट ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला, जनधन योजना और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे फैसलों ने महिलाओं को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास दिया है।

क्या है गिव टू गेन का अर्थ

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि हम महिलाओं को शिक्षा, अवसर और सम्मान देंगे, तो बदले में हमें एक सशक्त समाज, सुरक्षित परिवार और विकसित राष्ट्र प्राप्त होगा।

गीता कॉलोनी में 'गुरु मान्यों ग्रंथ चेतना समागम', खालसा साजना दिवस को समर्पित

पूर्वी दिल्ली . (इंद्रजीत सिंह) के गीता कॉलोनी स्थित रामलीला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय 'गुरु मान्यों ग्रंथ चेतना समागम' खालसा साजना दिवस और वैसाखी की भावना को समर्पित रहा। धार्मिक वातावरण और संगत की बड़ी उपस्थिति के बीच आयोजित इस समागम में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर गुरु परंपरा और सिख इतिहास के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।समागम के दौरान दीवान में भाई रणजीत सिंह ढडरियांवाले के आगमन पर कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक एवं पूर्व निगम पार्षद गुरचरन सिंह राजू ने उनका स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर धार्मिक विचारों और कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं से जुड़ने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी

(DSGMC) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा ने भी विशेष रूप से भाग लिया। दोनों अतिथियों ने संगत से मिले स्नेह और सम्मान के लिए गुरचरन सिंह राजू का आभार व्यक्त किया तथा ऐसे आयोजनों को समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सुखविंदर सिंह बब्बर ने बताया कि तीन दिवसीय इस धार्मिक समागम को लेकर यमुनापार क्षेत्र की संगत में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि समागम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है और आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। समागम में संगत के लिए धार्मिक दीवान, कीर्तन और प्रवचन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाना और समाज में आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करना है।

शुकराना कीर्तन समागम का आयोजन

नई दिल्ली. (अजय कुमार चौधरी) गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब स्थित लखी शाह वंजारा हॉल में शुकराना कीर्तन समागम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। समागम के पश्चात संगत के लिए लंगर (भोज) की भी व्यवस्था की गई। यह आयोजन सिक्का ग्रुप के चेयरमैन सरदार गुरिंदर सिंह सिक्का की विवाह की स्वर्ण जयंती (50वीं वर्षगांठ) के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सरदार गुरिंदर सिंह सिक्का ने बताया कि यह शुकराना समागम गुरु साहिब के आशीर्वाद के प्रति कृतज्ञता और धन्यवाद स्वरूप आयोजित किया गया है। समागम को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन सरदार हरमीत सिंह कालका ने भी संबोधित किया और संगत को गुरुवाणी के मार्ग पर चलने तथा सेवा और सिमरन के महत्व के बारे में प्रेरित किया। इस अवसर पर यमुनापार विकास बोर्ड के चेयरमैन अरविंदर सिंह लवली, पूर्व विधायक विपिन शर्मा, पूर्व निगम पार्षद गुरुचरण सिंह राजू, सिक्का ग्रुप के डायरेक्टर मयंक सिक्का व प्रणव सिक्का, झंकार ग्रुप के चेयरमैन महेश कपूर, हीरा स्वीट्स के प्रोपाइटर पारस शर्मा, राष्ट्र टाइम्स के संपादक विजय शंकर चतुर्वेदी, फेस ग्रुप के मुश्ताक अंसारी, समाजसेवी कैलाश अरोड़ा, विकास मार्ग ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, सतवीर अग्रवाल, पियूष चौधरी, सतीश भट्ट सहित अनेक मंत्री, सांसद एवं गणमान्य लोग समागम में उपस्थित रहे।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध - विपुल गोयल

चंडीगढ़ । हरियाणा के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को फरीदाबाद में एक कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नगर निगम अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी और उनके योगदान की सराहना की ।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने महिला सफाई कर्मियों को उनके सम्मान में सुरक्षा किट और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित कीं। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए समर्पित दिन है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1910 में महिलाओं के अधिकारों को लेकर विश्व स्तर पर आवाज उठी और 1911 में पहली बार महिला दिवस मनाया गया। बाद में वर्ष 1975 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता दी गई, जिसके बाद से पूरे विश्व में यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि देश में वर्ष 2014 के बाद से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से देश और हरियाणा में गिरते लिंगानुपात को सुधारने का बड़ा प्रयास किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

अशोका एक्सप्रेस की बेवसाईड से जुड़ने के लिए दिए गए QR कोड को स्केन करे।

अशोका एक्सप्रेस
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार-पत्र
प्रिय पाठक, विज्ञापन दात्ता,
आप अपने क्षेत्र की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्य तथा धार्मिक लेख, कविता एवं कार्टून लिख भेजें। व्हाट्सएप या ईमेल पर आपके द्वारा भेजी गई सामग्री सुव्यवस्थित ढंग से प्रकाशित किया जायेगा।
नोट: पूर्व प्रकाशित लेखो को न भेजे।
संपादक: विजय कुमार
Website: https://ashokaexpress.com/, Email:-ashoka.express@live.com, Mobile No. 9810674206
अशोका एक्सप्रेस को आर्थिक योगदान भी कर सकते है।
Account Holder Name : ASHOKA EXPRESS
Bank Account No. : 10650995502 & 41856402452
IFSC Code : SBIN0004846
UPI ID : 9810674206@sbi

दिल्ली के बाजारों में युद्ध का असर, इलेक्ट्रॉनिक सामान महंगा; बासमती चावल के दाम गिरे

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का असर अब दिल्ली के बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। पश्चिमी एशिया के देशों से आने वाले सामान की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण व्यापारियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। युद्ध के कारण पश्चिमी एशिया और खासकर ईरान से आयात और निर्यात होने वाली वस्तुओं पर प्रभाव पड़ सकता है।

व्यापारियों के मुताबिक, आयात में देरी, परिवहन खर्च बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय हालात बिगड़ने के कारण बाजार में कई उत्पादों की कमी देखने को मिल रही है। दिल्ली के थोक और खुदरा बाजारों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कॉस्मेटिक उत्पाद और कुछ खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता कम हो गई है। इससे कारोबार प्रभावित हो रहा है और कई दुकानदारों को ग्राहकों को संतुष्ट करना भी मुश्किल हो रहा है।

ईरान से आयात होने वाली वस्तुएं

काओ लिन- यह एक प्रकार की सफेद मिट्टी होती है जिसका उपयोग सिरेमिक, टाइल, कागज और कॉस्मेटिक उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। आपूर्ति प्रभावित होने से इन उद्योगों की लागत बढ़ सकती है।

रॉ वूल / टैनरी वूल - यह बिना प्रोसेस की गई ऊन होती है, जिसका इस्तेमाल कपड़ा उद्योग और चमड़ा उद्योग में किया जाता है। इसकी कमी से ऊनी धागे और कपड़ों के उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

अनवॉश्ड शीप जेट ब्लैक टैनरी रॉ वूल- यह भेड़ों से प्राप्त कच्ची ऊन का विशेष प्रकार है, जिसका इस्तेमाल ऊनी वस्त्र और औद्योगिक उत्पाद बनाने में होता है।

इंडस्ट्रियल क्रश्ड रॉक सॉल्ट- औद्योगिक उपयोग के लिए इस्तेमाल होने वाला नमक, जिसका उपयोग रसायन उद्योग, पानी शुद्धिकरण और कुछ खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में होता है।

ऊनी धागा- इससे स्वेटर, शॉल और अन्य ऊनी कपड़े बनाए जाते हैं। आपूर्ति घटने से कपड़ा उद्योग प्रभावित हो सकता है।

वेट डेट्स / ईरानी खजूर- ईरान के खजूर दुनिया में काफी प्रसिद्ध हैं। इनका उपयोग सीधे खाने के अलावा मिठाइयों और खाद्य उद्योग में भी होता है।

इंडस्ट्रियल रॉक सॉल्ट- बड़े क्रिस्टल वाले नमक का उपयोग पशु आहार, औद्योगिक प्रक्रियाओं और कुछ रासायनिक उद्योगों में किया

जाता है।

बादाम गिरी- यह सूखा मेवा है जिसका उपयोग मिठाइयों, बेकरी और हेल्थ फूड में होता है। आपूर्ति कम होने से कीमतें बढ़ सकती हैं।

पियारोम खजूर- यह ईरान की एक प्रीमियम किस्म का खजूर है, जिसकी मांग अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक रहती है।

पिस्ता की गिरी- पिस्ता का उपयोग मिठाई, आइसक्रीम और स्नैक्स उद्योग में किया जाता है। युद्ध के कारण इसकी कीमतों में तेजी आ सकती है।

ईरान को भारत से निर्यात होने वाली वस्तुएं

इंडियन बासमती 1121 सेला राइस-भारत का प्रीमियम बासमती चावल, जिसकी पश्चिम एशिया के देशों में काफी मांग है।

इंडियन फ्रेश केला-भारत से ताजा केले का निर्यात कई देशों में किया जाता है, जिनमें पश्चिम एशिया भी शामिल है।

हल्दी-मसाले- औषधीय गुणों के कारण हल्दी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी मांग है।

डेल्टामेथ्रिन- यह एक कीटनाशक रसायन है जिसका उपयोग कृषि में कीट नियंत्रण के लिए किया जाता है।

कॉपर सल्फेट- यह रासायनिक यौगिक कृषि, जल शुद्धिकरण और औद्योगिक उपयोग में काम आता है।

पेशेंट फीडिंग कप- अस्पतालों में मरीजों को दवा या तरल पदार्थ देने के लिए इस्तेमाल होने वाला चिकित्सा उपकरण।

ब्लैक टी- भारत की काली चाय विश्वभर में प्रसिद्ध है और कई देशों को निर्यात की जाती है।

ग्लास आर्टवेयर- कांच से बने सजावटी और उपयोगी सामान, जिनकी विदेशी बाजारों में मांग रहती है।

एनिमल फीड सप्लीमें- पशुओं के पोषण के लिए बनाए जाने वाले विशेष आहार पूरक।

चीनी और गुड़- भारत से चीनी और गुड़ का निर्यात भी कई देशों में किया जाता है, जिसका उपयोग खाद्य उद्योग में होता है।

युद्ध के कारण चावल के दाम गिरे

इजराइल-ईरान युद्ध का असर खासकर बासमती चावल के निर्यात पर इसका गंभीर असर पड़ा है। मध्य पूर्व के बाजार लगभग बंद हो जाने से दिल्ली के नए बाजार से चावल की सप्लाई रुक गई है और कीमतों में गिरावट शुरू हो गई है। दिल्ली ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश गुप्ता के मुताबिक, मिडिल ईस्ट का बाजार पिछले कुछ दिनों से लगभग ठप है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान की आपूर्ति प्रभावित

राजधानी के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक बाजारों में मोबाइल एक्सेसरीज, कंप्यूटर पार्ट्स और छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आपूर्ति धीमी पड़ गई है। व्यापारियों ने कहा कि उत्पादों के कई पुर्जे विदेशों से आयात किए जाते हैं और युद्ध की स्थिति के कारण शिपमेंट समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। व्यापारी ऋषि ने बताया कि पहले जो सामान 10 से 12 दिन में आ जाता था अब उसे आने में 30 दिन या उससे यादा लग रहा है। माल देर से आने और परिवहन खर्च बढ़ने से कीमतों में भी बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि कुछ इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के दाम हाल के दिनों में 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जिससे बिक्री भी प्रभावित हो रही है।

मशीनों के पुर्जों की कमी

पश्चिमी एशिया में छिड़े युद्ध के कारण मशीनरी और औद्योगिक उपकरणों के पुर्जों की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इन पुर्जों पर दिल्ली और आसपास के इलाकों के कई छोटे उद्योग निर्भर हैं। ओखला औद्योगिक क्षेत्र के व्यापारी प्रवीण शर्मा ने बताया कि कई जरूरी स्पेयर पार्ट्स विदेशों से आते हैं। अभी आयात में देरी हो रही है, जिससे उद्योगों को समय पर सामान नहीं मिल पा रहा। इसका असर उत्पादन और मरम्मत के काम पर पड़ रहा है।

राष्ट्रपति के अपमान पर पीएम मोदी का टीएमसी पर हमला

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, द्रौपदी मुर्मू संथाल के एक बड़े उत्सव में शामिल होने के लिए बंगाल गई थीं लेकिन राष्ट्रपति को सम्मान देने के बजाय, टीएमसी ने इस पवित्र और महत्वपूर्ण कार्यक्रम का बहिष्कार किया। वे खुद आदिवासी समाज से आती हैं और वे आदिवासी समाज के विकास के बारे में चिंतित रही हैं। भ्रष्ट सरकार ने उस कार्यक्रम को बदइंतजामी के हवाले कर दिया। यह न केवल राष्ट्रपति का अपमान है बल्कि भारत के संविधान का भी अपमान है। यह संविधान की भावना का अपमान है। यह लोकतंत्र की महान परंपरा का भी अपमान है। टीएमसी सत्ता के अहंकार में डूबी हुई है।

शिक्षित, सशक्त महिलाएं प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं - राष्ट्रपति मुर्मू

महिलाओं में दम, हम नहीं हैं किसी से कम- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अनोखा संदेश

नईदिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं की शक्ति, उपलब्धियों और योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और अगर उन्हें सही अवसर और समर्थन मिले तो वे हर क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। रविवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने का दिन नहीं है, बल्कि यह उनके सशक्तिकरण के लिए देश की प्रतिबद्धता को दोहराने का भी अवसर है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन,

न्यायपालिका, सशस्त्र बल, चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, कला, खेल और उद्यमिता जैसे कई क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों के जरिए गांवों की महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और गांव के विकास में नेतृत्व भी कर रही हैं। मुर्मू ने आगे कहा कि महिलाओं में दम है, हम किसी से कम नहीं। हम में भी शक्ति है। उनका कहना था कि अगर महिलाओं को अवसर और सहयोग मिले तो वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालांकि महिलाओं ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन समाज में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के रास्ते में अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। इन चुनौतियों को सिर्फ कानून के जरिए खत्म नहीं किया जा सकता, बल्कि समाज की सोच में बदलाव लाना भी जरूरी है। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि घर में बेटियों और बेटों के बीच किसी भी तरह का भेदभाव न करें। साथ ही उन्होंने कहा कि सास को अपनी बेटी और बहू के बीच भी फर्क नहीं करना चाहिए और बहू को भी बेटी की तरह सम्मान मिलना चाहिए। उनके अनुसार असली समानता तब शुरू होती है जब हर महिला को बेटी के रूप में सम्मान दिया जाए। राष्ट्रपति मुर्मु ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित 'शक्ति वॉक' कार्यक्रम की भी सराहना की। इस कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने किया था, जिसमें प्रतिभागियों ने इंडिया गेट से विजय चौक तक पैदल मार्च किया।

उन्होंने देशभर से आई महिलाओं के समर्पण और उत्साह की भी प्रशंसा की। राष्ट्रपति ने संविधान निर्माता बीआर आंबेडकर के प्रसिद्ध कथन को याद करते हुए कहा कि किसी समाज की प्रगति का सही मापदंड यह है कि वहां की महिलाओं ने कितनी प्रगति की है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर के नाम पर सहमति

फिलहाल ऐलान नहीं, इजराइल बोला- खामेनेई के हर उत्तराधिकारी को निशाना बनाएंगे

तेल अवीव/तेहरान ।

ईरान में नए सुप्रीम लीडर के नाम पर सहमति बन गई है। फिलहाल नाम का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है।

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम लीडर चुनने वाली संस्था असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने उम्मीदवार तय कर लिया है। असेंबली के सदस्य मोहसिन हेदरी ने कहा कि बहुमत से सबसे योग्य उम्मीदवार के नाम को मंजूरी दी गई है। संस्था के एक अन्य सदस्य मोहम्मद मेहदी मीरबाघेरी ने भी इसकी पुष्टि की है। दूसरी तरफ इजराइली सेना ने ईरान को चेतावनी दी है कि सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के हर संभावित उत्तराधिकारी को निशाना बनाया जाएगा। आईडीएफ ने कहा कि उत्तराधिकारी चुनने की प्रक्रिया में शामिल लोगों को भी निशाना बनाया जा सकता है। संभावित उत्तराधिकारियों की लिस्ट में खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई का नाम सबसे आगे चल रहा था। हालांकि ट्रम्प ने कहा है कि वे मुजतबा को नए सुप्रीम लीडर के तौर पर स्वीकार नहीं करेंगे।

जंग के 5 बड़े अपडेट्स

ईरान में अब तक 6,668 सिविल इलाकों को निशाना बनाया गया है।

इन हमलों में 5,535 घरों और 1041 दुकानें को नुकसान पहुंचा।

14 मेडिकल सेंटर्स और 65 स्कूलों पर भी हमला किया गया।

यूएस-इजराइल और ईरान जंग में अब तक 1701 मौत हुई है।

जंग में अब तक इजराइल के 1765 लोग घायल हुए हैं।

नीतीश के बेटे निशांत ने जेडीयू जॉइन की, बोले- पापा पर भरोसा रखिए, उनके काम को आगे ले जाऊंगा

पटना ।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जनता दल यूनाईटेड में शामिल हो चुके हैं। वीर चंद्र पटेल रोड स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय में हजारों कार्यकर्ताओं के बीच कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार वहां मौजूद नहीं थे। जदयू में शामिल होने के बाद निशांत ने कहा कि मैं जदयू के कार्यकर्ता, नेता और बिहार की जनता को नमन करता हूं। मैं आज से पार्टी का सदस्य बन चुका हूं। एक कार्यकर्ता के रूप में मैं सेवा करता रहूंगा। मेरे पिता ने रायसभा जाने की घोषणा की है। यह उनका निजी फैसला है। मैं इस फैसले का आदर करता हूं और इसे स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा कि बिहार और देश की जनता से अपील करता हूं कि पिताजी पर विश्वास बनाए रखें। निशांत कुमार ने कहा कि मेरे पिता ने बिहार की जनता के लिए जो काम किया है, उसे मैं आगे बढ़ाने का काम करूंगा। आप सब ने जो विश्वास किया, उस पर खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। जनता के हृदय में खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। मेरे पिता ने जनता के लिए जो किया, वह सबको याद रहेगा। जनता को मेरे पिता पर गर्व है। वह अपना जीवन बिहार के लिए समर्पित कर दिया। आज से मैं राजनीतिक जीवन की शुरुआत कर रहा हूं। अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है। इसके लिए मुझे जनता का आशीर्वाद चाहिए। मैं आप सभी को नमन करता हूं।

सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद आईसीसी पर भड़के साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी, लगाया ये गंभीर आरोप

नई दिल्ली। (वेबवार्ता) क्विंटन डिकॉक और डेविड मिलर ने आईसीसी की आलोचना की है कि उसने कथित तौर पर दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बजाय इंग्लैंड के यात्रा कार्यक्रम को प्राथमिकता दी, जबकि दोनों टीम अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण हुई दिक्कतों के बीच अब तक स्वदेश लौटने का इंतजार कर रही हैं. गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में भारत से शिकस्त झेलने वाला इंग्लैंड शनिवार शाम को मुंबई से लंदन के लिए सीधी चार्टर्ड उड़ान से रवाना हुआ. दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम हालांकि अब भी भारत में ही हैं. पिछले रविवार को ईडन गार्डन्स में भारत से पांच विकेट से हारने के बाद वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप से बाहर हो गया जबकि बुधवार को कोलकाता में पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हारने के साथ दक्षिण अफ्रीका का अभियान भी खत्म हो गया. दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज

दोनों के कोलकाता से एक और चार्टर्ड उड़ान से एक साथ यात्रा करने की उम्मीद है. उड़ान के समय की अभी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन इसके रविवार को रवाना होने की संभावना है. डिकॉक ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''मजेदार है कि आईसीसी ने हमें कुछ नहीं बताया. इस बीच इंग्लैंड किसी तरह से हमारे से पहले कैसे जा रहा है? वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका तो बस अंधेरे में हैं. अजीब है कि अलग-अलग टीम का दूसरों से अधिक असर होता है.'' टीम के डिकॉक के साथी मिलर ने भी निराशा जताई. मिलर ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' की एक पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, ''मजेदार बात यह है कि वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बाद इंग्लैंड बाहर हुआ और आज रात चार्टर्ड उड़ान से स्वदेश वापस लौट गया जबकि वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अब भी कोलकाता में जवाब का इंतजार कर रहे हैं.'' दो बार विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम के पूर्व कप्तान और मौजूदा मुख्य कोच डेरेन सैमी ने भी इस मामले पर अपनी राय दी. सैमी ने लिखा, ''डेविड मिलर पीछे बैठे लोगों को सुनाने के लिए थोड़ा जोर से बोलो.'' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड को स्वदेश भेजने के आईसीसी के फैसले पर सवाल उठाया. वॉन ने 'एक्स' पर लिखा, ''तो इंग्लैंड गुरुवार को बाहर हो गया. आज चार्टर्ड उड़ान से स्वदेश रवाना. वेस्टइंडीज पिछले रविवार को बाहर हो गया और अब भी कोलकाता में है.. दक्षिण अफ्रीका की भी यही स्थिति है. यहीं पर ताकत पूरी तरह से गलत है.'' उन्होंने कहा, ''इस स्थिति में सभी टीम के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए. सिर्फ इसलिए कि आप आईसीसी में अधिक ताकतवर हैं इसका फायदा नहीं मिलना चाहिए.''वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग के लिए उड़ान भरने की संभावना है. इसके बाद वेस्टइंडीज की टीम एंटीगा के लिए रवाना होगी. टीम प्रबंधन के सदस्य और खिलाड़ी केशव महाराज, जेसन स्मिथ और जॉर्ज लिंडे सहित दक्षिण अफ्रीका टीम के कुछ सदस्य 15 मार्च से शुरू होने वाले सीमित ओवरों के दौरे के लिए रविवार को न्यूजीलैंड रवाना होंगे. भारत रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी

कप्तान सैंटनर का बड़ा बयान- घरेलू मैदान पर दबाव में होगी भारत

(वेबवार्ता)

अहमदाबाद । न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर का मानना है कि रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में जब दोनों टीमें भिड़ेंगी, तो मेजबान भारत पर उम्मीदों का भारी बोझ होगा। फाइनल से एक दिन पहले मीडिया से बात करते हुए सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम फाइनल के लिए उत्साहित है और उन्होंने स्वीकार किया कि घरेलू दर्शकों के सामने खेल रही भारत पर खिताब बरकरार रखने का जबरदस्त दबाव होगा। मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैंटनर ने कहा कि हमारा लक्ष्य दर्शकों को शांत करना है, लेकिन क्रिकेट में कई चुनौतियां होती हैं, और वे बदलती रहती हैं। मुझे लगता है कि घरेलू मैदान पर जीत हासिल करने का भारत पर बहुत दबाव है। न्यूजीलैंड के कप्तान ने आगे कहा कि उनकी टीम इस बड़े मुकाबले से पहले जोश से भरी हुई है और विश्व कप फाइनल के महत्व को समझती है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं। हम पहले भी खेल चुके हैं। इसमें कोई राज़ नहीं है। लड़के कल के लिए जोश से भरे हुए हैं। कल एक निर्णायक मुकाबला है। लड़के उत्साहित हैं। सैंटनर ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने अहमदाबाद के विशाल मैदान की पिच अभी तक नहीं देखी है, लेकिन उन्हें एक हाई-स्कोरिंग मुकाबले की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मैंने विकेट नहीं देखा है, लेकिन मुझे लगता है कि इस पर खूब रन बनेंगे।÷ साथ ही उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ भी की। भारतीय तेज गेंदबाज पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और अब तक 15 के औसत से 10 विकेट ले चुके हैं। उनके पास घातक यॉर्कर और अभेद्य बाउंसर हैं, जो रविवार को भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। 34 वर्षीय सैंटनर ने आगे कहा कि जिस तरह से बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं, उन्हें हर कोई अपनी टीम का बेहतरीन खिलाड़ी मान रहा है।

न्यूजीलैंड के फाइनल तक के सफर पर टिप्पणी करते हुए सैंटनर ने कहा कि टीम को पूरे टूर्नामेंट में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने भारत के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला सहित पिछले मुकाबलों से कई महत्वपूर्ण सबक सीखे। उन्होंने कहा कि हमें कई बार चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हम द्विपक्षीय श्रृंखलाओं से सीखेंगे, और मुझे लगता है कि विश्व कप का फाइनल द्विपक्षीय श्रृंखला से अलग होता है।

पिंक बॉल टेस्ट में भारत को मिली 10 विकेट से हार, महान खिलाड़ी ने लिया संन्यास, ऑस्ट्रेलिया ने हीली को दी यादगार विदाई

(वेबवार्ता)

नई दिल्ली। एक तरफ भारतीय पुरुष टीम आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में उतरने के लिए तैयार है तो दूसरी तरफ कुछ महीने पहले वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली महिला टीम को टेस्ट में शर्मनाक हार मिली. भारत की टॉप आर्डर बैटर प्रतिका रावल ने स्नेह राणा के साथ 63 रन की पारी खेलकर संघर्ष किया. भारत पारी की हार से बचने में कामयाब रहा, लेकिन मेजबानों के लिए 25 रन का लक्ष्य आसान था. एलिसा हीली ने 8 मार्च को पर्थ के वाका ग्राउंड में 10 विकेट की जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा. पिछले दिन के स्कोर 105/6 से शुरू करते हुए, प्रतिका और स्नेह ने शुरुआती ओवरों में सतर्कता बरती. प्रतिका ने तीसरे दिन की पहली बाउंड्री लगाई. अगले ओवर में उन्होंने 105 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की. स्नेह को एनाबेल सदरलैंड ने कैच छोड़कर जीवनदान दिया, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकीं. एश्ले गार्डनर ने स्नेह को 30 रन (54 गेंद) पर आउट कर साझेदारी तोड़ी. दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की. अगले ओवर में कश्वी गौतम को अलाना किंग की गेंद पर स्लिप में कैच कर लिया गया. वह तीन गेंदों पर शून्य पर आउट हुईं. सयाली सतघारे ने एक छोर संभालने की कोशिश की, लेकिन अलाना ने उन्हें भी आउट कर दिया. सयाली 21 गेंद में तीन रन बनाकर पवेलियन लौटीं. प्रतिका आखिरी विकेट के रूप में एश्ले की गेंद पर आउट हुईं और भारत 149 रन पर ऑलआउट हो गया. प्रतिका ने 137 गेंद में 63 रन की पारी में आठ चौके लगाए. ऑस्ट्रेलिया की ओपनर बल्लेबाजों ने रन चेज जल्दी खत्म करने की कोशिश की. पांचवें ओवर में जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाए और ऑस्ट्रेलिया ने मैच 10 विकेट से जीत लिया. ऑस्ट्रेलिया ने मल्टी-फॉर्मेट सीरीज 12-4 से अपने नाम की. इससे पहले, एलिसा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. एनाबेल और डेब्यूटेंट लुसी हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों पर कहर बरपाया. जेमिमा रोड्रिग्स ने भारत के लिए अकेली अर्धशतकीय पारी खेली. भारत 62.4 ओवर में 198 रन पर ऑलआउट हो गया. एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट झटके. जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दोनों ओपनर जल्दी गंवा दिए. एलिसा भी सस्ते में आउट हो गईं, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की. एलिसे ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे. निचले क्रम के योगदान से ऑस्ट्रेलिया 323 रन तक पहुंच गया. सयाली ने चार

उनका बस चले तो ... सूर्यकुमार यादव के मुंह से प्रेस कॉन्फ्रेंस में निकल गई गौतम गंभीर को लेकर सच्चाई

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरने से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मीडिया के सवालों के जवाब दिए. अपने ही अंदाज में वो अहमदाबाद में मस्ती करते नजर आए. सूर्या ने मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर बात करते हुए कहा कि अगर उनका बस चले तो वो खुद ही पैड पहनकर उतर जाएगें. यह सब उन्होंने फाइनल से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान कहा. न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले से पहले भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव हमेशा की तरह हंसते-मुस्कुराते नजर आए. उन्होंने मजाक करते हुए बताया कि गंभीर ने टीम का नजरिया कैसे बदल दिया है. अब हर छोटी-बड़ी योगदान की कद्र होती है और व्यक्तिगत उपलब्धियों का महत्व कम कर दिया गया है. गंभीर कई बार यह जाहिर कर चुके हैं कि टीम की जीत में व्यक्तिगत प्रदर्शन को ज्यादा तवज्जो देना उन्हें पसंद नहीं. सोशल मीडिया पर कई बार उनके इस नजरिए को गलत तरीके से पेश किया गया है, लेकिन दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाले गंभीर अपने विचारों पर कायम रहे हैं. अगर सूर्यकुमार की मानें तो गंभीर ने भारत की टी20 टीम के खिलाड़ियों की सोच भी बदल दी है. उनका (गंभीर) बस चले तो वही पैड पहन कर आ जाएं! सूर्यकुमार ने शनिवार को अहमदाबाद में पत्रकारों से कहा. उनका मंत्र हमेशा से यही रहा है, जब वे भारत के लिए वर्ल्ड कप खेले और जीते- यह एक ऐसा खेल है जिसमें हर किसी का योगदान मायने रखता है. टूर्नामेंट एक या दो खिलाड़ियों की वजह से नहीं जीते जाते. सूर्यकुमार ने कहा, अगर शुरुआत से देखें, जैसे जिम्बाब्वे (सुपर 8) मैच से हर खिलाड़ी ने योगदान दिया. फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ, और सेमीफाइनल में भी यही कहानी रही. यही हमेशा फोकस रहता है. टीम गेम में, खासकर बल्लेबाजी में, हर बल्लेबाज का योगदान जरूरी है. सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने टीम से व्यक्तिगत माइलस्टोन का कांसेप्ट हटा दिया है. अब कोई उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देता. यह टीम गेम है, सूर्यकुमार ने बताया कि गंभीर के लिए हर पारी चाहे बड़ी हो या छोटी उसकी अहमियत है. जैसे पिछले मैच (इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल) में तिलक (वर्मा) ने 7 गेंद में 21 रन बनाए.

क्या सेन रच पाएंगे इतिहास? ऑल इंग्लैंड ओपन फाइनल में चीनी ताइपे के शटलर से टक्कर

बर्मिंघम । ऑल इंग्लैंड ओपन का फाइनल मुकाबला आज बर्मिंघम में खेला जाएगा। बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन का सामना चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से हो रहा है। लक्ष्य सेन के पास न केवल खिताब जीतने बल्कि जनवरी में लिन चुन-यी से मिली हार का बदला लेने का भी सुनहरा मौका है। इससे पहले सेन को इंडिया ओपन के क्वार्टरफाइनल में लिन चुन-यी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

ऐसे में फाइनल मुकाबला उनके लिए बदले और इतिहास रचने का मौका है। लक्ष्य सेन ने सेमीफाइनल में कनाडा के विक्टर लाई को 1 घंटे 37 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-16, 18-21, 21-15 से हराया था। मैच के बाद लक्ष्य सेन ने कहा कि उन्होंने सिर्फ हर पॉइंट पर ध्यान दिया।

तीसरे गेम की शुरुआत में उनके पैरों में ऐंठन भी महसूस हुई, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार संघर्ष करते रहे। यह लक्ष्य सेन का दूसरा ऑल इंग्लैंड ओपन फाइनल है। इससे पहले 2022 में वह फाइनल तक पहुंचे थे, जहां उन्हें विक्टर एक्सलसेन से हार का सामना करना पड़ा था।

अखंड विश्वकर्मा महासंघ ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

बहराइच।

अखंड विश्वकर्मा महासंघ के तत्वावधान में संगम पैरामेडिकल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रवलन के साथ हुआ। इस अवसर पर महासंघ के पदाधिकारियों एवं समाज के लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं तथा समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि होली का पर्व प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। सभी लोगों को मिल-जुलकर संगठन को मजबूत करते हुए समाज के उत्थान एवं विकास के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश संरक्षक डॉ0 गणेश प्रसाद विश्वकर्मा, प्रदेश महासचिव एडवोकेट दुर्गेश विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष अर्जुन शर्मा, गोंडा जिला अध्यक्ष जयलाल शर्मा, बहराइच जिला अध्यक्ष पवन शर्मा, श्रावस्ती जिला अध्यक्ष डॉ0 अरविंद विश्वकर्मा, बलरामपुर जिला अध्यक्ष राज बहादुर शर्मा, संगठन मंत्री रामकुमार शर्मा व राधेश्याम शर्मा, जिला उपाध्यक्ष बहराइच प्रभाकर विश्वकर्मा व मगन विहारी, गोंडा जिला उपाध्यक्ष मोहनलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष रामनरेश शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष विजय शर्मा व प्रदीप विश्वकर्मा, मंडल सचिव विजय राज, महिला समाजसेविका निशा शर्मा, कार्यक्रम के आयोजक डॉ0 त्रिलोकी नाथ विश्वकर्मा, एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन द्वाराआयोजक डॉ0 विश्वकर्मा द्वारा अतिथियों एवं उपस्थित जनों के आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

इनरव्हील क्लब के 'शृंगार उत्सव' में मुरादाबाद ईस्ट का दबदबा

मुरादाबाद।

इनरव्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट 310 द्वारा मवाना में आयोजित डिस्ट्रिक्ट होली इवेंट शृंगार उत्सव हर्षोल्लास के साथ उत्सव मण्डप में संपन्न हुआ। इस भव्य कार्यक्रम में विभिन्न शहरों के क्लबों ने प्रतिभाग किया, जिसमें इनरव्हील क्लब मुरादाबाद ईस्ट की सदस्यों ने अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज कराई और महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह रहा, जिसमें मुरादाबाद ईस्ट की वरिष्ठ सदस्य और पीडीसी वंदना गुप्ता को उनकी दीर्घकालिक निस्वार्थ सेवाओं और संस्था के प्रति समर्पण के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से विभूषित किया गया। इस सम्मान पर क्लब की सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे गौरवपूर्ण क्षण बताया। उत्सव के दौरान आयोजित अन्य गतिविधियों में भी क्लब का भाग्य चमका। क्लब की अध्यक्षा वीना रस्तोगी ने लकी ड्रा का पुरस्कार अपने नाम किया, जिससे क्लब के खेमे में दोहरी खुशी छा गई। कार्यक्रम में क्लब की ओर से पीडीसी ममता गर्ग और पास्ट प्रेसिडेंट सीमा अग्रवाल ने भी सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया और अन्य जनपदों से आई सदस्यों के साथ होली की शुभकामनाएं साझा कीं।बताते चलें कि इससे पहले इनरव्हील क्लब मुरादाबाद ईस्ट की अन्य दो पीडीसी (ममता गर्ग एवं अनीता गुप्ता) को डिस्ट्रिक्ट चैयरमैन शालिनी गुप्ता द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। मवाना में आयोजित इस शृंगार उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और फूलों की होली के बीच महिलाओं के सशक्तिकरण और आपसी सौहार्द का संदेश दिया गया। मुरादाबाद ईस्ट की टीम ने इस सफल आयोजन के लिए डिस्ट्रिक्ट कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया।

इकबाल और उनके समकालीन कवि - जाबिर हुसैन सिद्दीक़ी

मुरादाबाद।

मीर, ग़ालिब और इकबाल हमारे ऐसे शायर हैं जिनके कलाम और विचार-कला (फ़िक्र-ओ-फ़न) में वह आनंद, अंतर्दृष्टि, गहराई और मिठास है कि पूरी दुनिया उनकी प्रशंसक है।

ये तीनों कवि हमारे साहित्य के वे चमकते हुए रत्न हैं जिनसे वैश्विक स्तर पर काव्य - रसानुभूति और अंतर्दृष्टि के कारण लाभ उठाया जाता है। इनमें इकबाल वह एकमात्र कवि हैं जिनके यहाँ दर्शन और उसकी एक व्यवस्थित प्रणाली भी मौजूद है। इस तरह उनकी शायरी में साहित्यिक सौंदर्य के साथ-साथ दार्शनिक तत्व अतिरिक्त मूल्य के रूप में शामिल हैं, जो उनकी शायरी को और अधिक महत्व प्रदान करते हैं। इकबाल के वैचारिक तंत्र में खुदी (आत्म-बोध) को केंद्रीय स्थान प्राप्त है। खुदी स्वयं की पहचान या आत्म-ज्ञान के साथ-साथ ईश्वर की पहचान भी है। मनुष्य जब अपने अस्तित्व और अपनी क्षमताओं की समझ

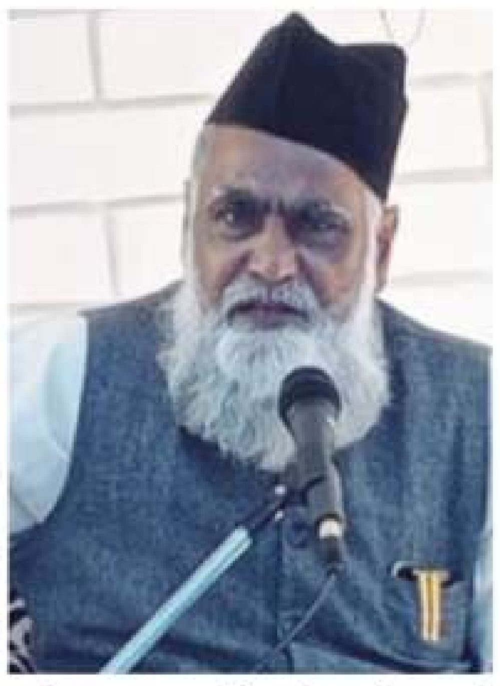

हासिल करता है, तो उसे अपने रचयिता (ख़ालिक) की समझ और पहचान भी प्राप्त होती है। इकबाल के अनुसार व्यक्ति की मुक्ति आध्यात्मिक प्रशिक्षण और विश्वास की शक्ति (ईमानी कुवत) में है। खुदी की पुनः प्राप्ति और व्यक्तित्व के विकास के इकबालिया संकल्पना का उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व की समस्त संभावनाओं को प्राप्त करना, भटकाव और अवास्तविक व्यवहारों से व्यक्तित्व की रक्षा करना और उसका कल्याण है। इकबाल सूफियों की तरह स्वयं को एक तुछ बूंद नहीं समझते और उसे दरिया यानी ईश्वर की सत्ता में विलीन (फना) करने के पक्ष में नहीं हैं। बल्कि उनके अनुसार मनुष्य एक मामूली बूंद के बजाय एक चमकता हुआ मोती है।इस विचार से मानवीय खुदी(अस्तित्व) बनी रहती है।

वे वहदतुल- वजूद (अद्वैतवाद) के कायल नहीं हैं; उनके निकट मानवीय खुदी ईश्वरीय सत्ता से पूरी तरह अलग है। वह ईश्वर के नूर (प्रकाश) से रोशन होती है

खुदी रोशन ज़-नूर-ए-किबरियाई अस्त,

रसाई पाए ओ अज़ नारसाई अस्त।

(अर्थ - ईश्वर के प्रकाश से प्रकाशित है, उसकी पहुँच अपनी सीमाओं को पहचानने में ही निहित है।) इकबाल ने खुदी की मजबूती के लिए कुछ साधन निर्धारित किए हैं, जिन्हें उन्होंने इश्क, निरंतर संघर्ष (जद्द-ओ- अमल), दृढ़ विश्वास (यकीन-ए- मुहकम), फक्र (निर्लिप्तता), आत्म - निर्भरता (इस्तग़ना), न्याय और अन्याय की शक्तियों पर विश्वास और मुर्शिद-ए-कामिल (पूर्ण गुरु) के अनुसरण के नाम दिए हैं। एक व्यक्ति ईश्वर के प्रेम (इश्क-ए-खुदा) को सीने में बसाकर, निरंतर कर्मशील बनकर और फक्र-ओ-इस्तग़ना (सांसारिक साधनों की गुलामी के बजाय उन पर विजय) की दौलत हासिल करके और मुर्शिद-ए-कामिल यानी अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के अनुसरण के माध्यम से मर्दे-कामिल (पूर्ण मनुष्य) यानी मर्दे-मोमिन या बंदा-ए-हुर (स्वतंत्र व्यक्ति) बन सकता है।

इकबाल के यहाँ खुदी की मजबूती के लिए सबसे प्रभावी तत्व इश्क है। यह एक हृदय का भाव है जो साधारण प्रेम से कहीं अधिक तीव्र है। उनके यहाँ स्वयं को जानने वाले व्यक्ति के लिए इश्क एक अनिवार्य गुण है। यह ब्रह्मांड की अनमोल पूंजी है। मानवीय बुद्धि नश्वर है और इश्क अमर है।

राज्य कार्य योजना के तहत वृद्धजनों को मिलेंगी स्वास्थ्य सेवाएंः पंखुरी जैन

मुरादाबाद। जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना के घटक वरिष्ठ नागरिकों हेतु रा'य कार्य योजना संचालित की गयी है। वरिष्ठ नागरिक/वृद्धजनों हेतु अनुमोदित गतिविधियां जैसे चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत उप निदेशक समाज कल्याण की अध्यक्षता में जागरुकता एवं सामुदायिक जुड़ाव समिति गठित की गयी है। समिति द्वारा श्रेणी-3 के अन्तर्गत जागरुकता एवं सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु निम्न निर्धारित अर्हताओं एवं चयनित संस्थाओं को आवश्यक एवं परिस्थितियों के अनुरुप कायान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। संस्था के पास सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 का या राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के किसी भी संबंधित अधिनियम के तहत पंजीकरण प्रमाण-पत्र, क्लीनिकल स्थापना एक्ट के तहत पंजीकृत अस्पताल के साथ एम.ओ.यू. अनिवार्य होना चाहिए। गैर-सरकारी संगठन एवं स्वैं'छिक संगठन के नाम से एक राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित खाता होना चाहिए। संस्था का नीति आयोग के एनजीओ दर्पन पोर्टल पर पंजीकृत होना अनिवार्य है। संस्था का पंजीकरण प्रमाण-पत्र 01 जुलाई 2022 से पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य हो।

विधायक के होली मिलन समारोह में गूंजे गीत और रागिनी

मुरादाबाद। कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह की ओर से महर्षि दयानंद लॉ कॉलेज भदासना में आयोजित होली मिलन समारोह का आयोजन कराया गया। होली मिलन समारोह में कुंदरकी विधानसभा के अलग-अलग ग्रामों से हजारों क्षेत्रवासी और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। विधायक ठाकुर रामवीर सिंह लोगो के बीच जाकर सभी से गले मिले और स्वयं सभी पर फूल बरसाते नजर आए। कार्यक्रम में विशाल पंडाल में राधा कृष्ण के स्वरूप में अद्भुत प्रस्तुति और होली के गीत व रागिनी की शानदार प्रस्तुतियां कलाकारों द्वारा दी गई, जिन पर पंडाल में मौजूद लोग भक्ति भाव में झूमते हुए नजर आए। इस अवसर पर कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर ने होली को समाज को जोड़ने वाला सबसे बड़ा लोकतांत्रिक पर्व बताया। विधायक कुंदरकी ने कहा कि पूरी विधानसभा का प्रत्येक व्यक्ति मेरा परिवारजन है। मैं पिछले 2 दशकों से होली मिलन समारोह का आयोजन करता आया हूँ। जिसमें पूरी विधानसभा के प्रत्येक गांव से उपस्थिति रहती है। आज बहुत हर्ष का विषय है, कुंदरकी विधानसभा के अलावा जनपद के अलग अलग जगहों से भी यह लोग शामिल हुए है। होली का पर्व जाति, वर्ग और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर लोगों को एक-दूसरे को रंग लगाने और गले मिलने का अवसर देता है। उन्होंने जोर दिया कि यह भारत की विविधता में एकता की परंपरा को मजबूत करता है। उनके अनुसार, होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र के चरित्र और मूल्यों का भी प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि होली को केवल रंगों तक सीमित न रखकर प्रेम, एकता और सकारात्मकता का संदेश फैलाने का माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपने आचरण और कार्यों के माध्यम से देश को मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध बनाने में योगदान देने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के पश्चात मौजूद हजारों लोगों ने एक साथ भोजन ग्रहण किया।

महिला दिवस के अवसर पर चौपाल का हुआ आयोजन, नशा मुक्त समाज बनाने का लिया गया संकल्प

बहराइच।

महिला दिवस के अवसर पर आज गायत्री बाल संस्कार शाला (सूफीपुरा) सिविल लाइंस परिसर में ÷महिला सशक्तिकरण÷ विषयक चौपाल का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में नगर क्षेत्र के गायत्री परिवार , संघ परिवार समेत तमाम समाजसेवी संगठनों से जुड़ी महिला प्रतिनिधियों ने नशा को समाज के लिए घातक बताते हुए नशा उन्मूलन तथा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए चलाए जा रहे अभियान से हर घर को जोड़ने का सामूहिक संकल्प लिया। गायत्री बाल संस्कार शाला में आयोजित चौपाल को संबोधित करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं के सर्वांगीण उत्थान एवं शिक्षित होते ही सशक्त समाज एवं प्रभावी परिवार का उदय होता है। उन्होंने कहा कि अशिक्षा एवं कुरीतियों तथा नशामुक्त समाज

बनाने के लिए सभी जागरूक महिलाओं को अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जन जागरण अभियान चलाना चाहिए तभी मजबूत परिवार , समाज एवं विकसित एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षित एवं जागरूक बेरोज़गार महिलाओं के लिए शासन द्वारा तमाम बहुमुखी परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है जिनसे जुड़ कर महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ सकती हैं और अपने परिवार को आर्थिक दृष्टि से मजबूत भी बना सकती हैं। विद्यालय प्राचार्या रेखा श्रीवास्तव ने बताया कि गायत्री परिवार के तत्वावधान में महिलाओं को जागरूक बनाने के लिए घर घर में संपर्क अभियान चलाया जा रहा है तथा अशिक्षित बचों को गायत्री बाल संस्कार शाला के माध्यम से शिक्षित एवं दीक्षित बनाने का प्रभावी प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन शालू सिंह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ महिला नेत्री मंजू निगम द्वारा किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा जिला संयोजक सोनी श्रीवास्तव ने किया। आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शीला श्रीवास्तव , पूनम श्रीवास्तव , समाजसेविका निशा शर्मा , निर्मला सिंह , मोनिका शुक्ला , अनुराधा वर्मा , तृप्ति श्रीवास्तव , गायत्री परिजन कांति मिश्रा , आद्या निगम , दीपिका निगम , प्रीति सिंह , नमिता शुक्ला , रश्मि पांडेय , वंदना सिंह सहित तमाम महिलाएं उपस्थित रहीं। समापन अवसर पर सभी महिलाओं ने नशा मुक्त समाज बनाने के लिए सामूहिक संकल्प भी लिया।

राइजिंग भारत समिट 2026- एआई से लैस जियोफाइनेंस एप लॉन्च, जियोपॉइंट्स के जरिए ग्राहकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली । राइजिंग भारत समिट 2026 में जियोफाइनेंस ने अपना नया एआई-पावर्ड ऐप लॉन्च किया। यह ऐप लोगों के वित्तीय प्रबंधन को सरल और सुलभ बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसके माध्यम से उपयोगकर्ता बैंकिंग, भुगतान, बचत और निवेश जैसी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। जियोफाइनेंस का नया एप भारत के लिए एक बुद्धिमान वित्तीय समाधान प्रस्तुत करता है। यह लोगों के वित्तीय प्रबंधन और भविष्य की योजना बनाने के तरीके को बदलने का लक्ष्य रखता है। एप बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल भुगतान, बचत और निवेश की सुविधा प्रदान करता है। यह एप रोजमर्रा के वित्तीय निर्णयों को अधिक स्मार्ट और आसान बनाने के लिए व्यक्तिगत सिफारिशें प्रदान करता है। इसका उद्देश्य वित्तीय प्रबंधन को सरल और सुलभ बनाना है। यह उपयोगकर्ताओं को आत्मविश्वास के साथ अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करेगा। जियोफाइनेंस एप एक एआई-पावर्ड वित्तीय साथी के रूप में कार्य करेगा। यह उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत सिफारिशें प्रदान करेगा। इन सिफारिशों से रोजमर्रा के वित्तीय निर्णय लेना आसान और बेहतर होगा। ऐप का लक्ष्य वित्तीय प्रबंधन को अधिक बुद्धिमान बनाना है। यह उपयोगकर्ताओं को उनकी वित्तीय स्थिति को समझने में मदद करेगा। एप में जियोपॉइंट्स नामक एक रिवॉर्ड इकोसिस्टम भी पेश किया गया है। उपयोगकर्ता ऐप पर विभिन्न इंटरैक्शन के माध्यम से जियोपॉइंट्स अर्जित कर सकते हैं। इन जियोपॉइंट्स को खरीदारी, भोजन और यात्रा जैसे अनुभवों पर भुनाया जा सकता है। यह सुविधा ऐप के साथ हर इंटरैक्शन को अधिक फायदेमंद बनाती है। इसका उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को एप से जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पश्चिम एशिया जंग से भारत में नहीं होगी उर्वरक की कमी, युद्ध लंबा खिंचा तो गहरा सकता है संकट

नई दिल्ली । देश में फिलहाल किसानों के लिए उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है, लेकिन अगर पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है तो आने वाले महीनों में समस्या पैदा हो सकती है। यह जानकारी सरकारी कंपनी फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (फैक्ट) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। फैक्ट दक्षिण भारत के राज्यों में उर्वरक की बड़ी आपूर्तिकर्ता कंपनी है। कंपनी उर्वरक बनाने के लिए रॉक फॉस्फेट और फॉस्फोरिक एसिड जैसे कच्चे माल पर निर्भर करती है, जो पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व के कई देशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत लाया जाता है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक एस. सक्तिमणि ने बताया कि फिलहाल देश में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है और खरीफ सीजन के लिए कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध की स्थिति एक महीने के अंदर सामान्य हो सकती है। एस. सक्तिमणि के अनुसार वर्तमान में भारत में कोई फसल कटाई का मौसम नहीं है, और यह जुलाई के बाद ही शुरू होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि खरीफ मौसम के लिए यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है और उम्मीद है कि युद्ध की स्थिति एक महीने के भीतर सुलझ जाएगी। इससे किसानों को कोई समस्या नहीं होगी। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह स्थिति छह महीने तक बनी रहती है तो अगले फसल सीजन, यानी रबी सीजन में उर्वरक की सप्लाई पर असर पड़ सकता है। इस संभावना को देखते हुए सरकार और कंपनियां पहले से ही जरूरी कदम उठा रही हैं। फैक्ट न केवल मध्य पूर्व से, बल्कि ऑस्ट्रेलिया से भी गैस प्राप्त करती है। वर्तमान में गैस आपूर्ति में कोई बड़ी समस्या नहीं है, हालांकि कुछ स्थानों पर अस्थिरता है, लेकिन यह उर्वरक क्षेत्र के लिए चिंता का विषय नहीं है। अधिकारी ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने विभिन्न कंपनियों से डाई-अमोनियम फॉस्फेट और डबल सुपर फॉस्फेट के स्टॉक की खरीद कर ली है, जिससे कोई समस्या उत्पन्न नहीं होगी। बताया गया है कि अभी कंपनी के पास करीब 1.4 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक है। मार्च और अप्रैल 2026 के दौरान कंपनी लगभग 1.5 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का उत्पादन करने की स्थिति में है। कंपनी का लक्ष्य सितंबर 2026 तक खरीफ सीजन के लिए लगभग 5.5 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का उत्पादन करना है, जबकि करीब 1 लाख मीट्रिक टन उर्वरक आयात करने की भी योजना है। कंपनी ने कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार के सहयोग से उर्वरक की सप्लाई बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। बता दें कि भारत में खरीफ की फसलें जून-जुलाई में मानसून के आगमन के साथ बोई जाती हैं और सितंबर-अक्तूबर में काटी जाती हैं, जबकि रबी की फसलें अक्तूबर -नवंबर में बोई जाती हैं और अप्रैल-मई तक काटी जाती हैं। यूरिया का उपयोग दोनों मौसमों में पैदावार बढ़ाने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत के 11.8 अरब डॉलर के कृषि निर्यात पर कैसे खतरा? जीटीआरआई ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब भारत के कृषि और खाद्य उत्पादों के निर्यात पर भी पड़ने लगा है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण शिपिंग रूट प्रभावित हो रहे हैं, बीमा लागत बढ़ रही है और लॉजिस्टिक्स को लेकर अनिश्चितता पैदा हो रही है। इससे भारत के लगभग 11.8 अरब डॉलर के निर्यात पर खतरा मंडरा रहा है। जीटीआरआई के मुताबिक, वर्ष 2025 में भारत ने पश्चिम एशिया को करीब 11.8 अरब डॉलर के कृषि और खाद्य उत्पाद निर्यात किए थे। इसमें अनाज, फल-सब्जियां, डेयरी उत्पाद और मसाले जैसे सामान शामिल हैं। यह भारत के कुल कृषि निर्यात का लगभग 21.8 प्रतिशत हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार, भौगोलिक नजदीकी और बड़ी भारतीय प्रवासी आबादी के कारण खाड़ी क्षेत्र लंबे समय से भारत के खाद्य उत्पादों का प्रमुख बाजार रहा

हैलेकिन मौजूदा संघर्ष के कारण समुद्री मार्गों में बाधा, बीमा प्रीमियम में वृद्धि और सप्लाई चेन में अनिश्चितता पैदा हो रही है। आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2025 में पश्चिम एशिया को अनाज, फल-सब्जियां और मसालों की करीब 7.48 अरब डॉलर की आपूर्ति की, जो इस श्रेणी के भारत के कुल वैश्विक निर्यात का 29.2 प्रतिशत है। इसमें चावल, केले, प्याज, दालें, मेवे, कॉफी, चाय और कई तरह के मसाले प्रमुख हैं। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि सबसे ज्यादा असर चावल के निर्यात पर पड़ सकता है। भारत ने 2025 में पश्चिम एशिया को 4.43 अरब डॉलर का चावल निर्यात किया था, जो देश के कुल चावल निर्यात का 36.7 प्रतिशत है। इससे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के किसानों पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा भारत ने पिछले वर्ष पश्चिम एशिया को 396.5 मिलियन डॉलर के केले और 111 मिलियन डॉलर के प्याज-लहसुन का निर्यात किय। वहीं जायफल, जावित्री और इलायची जैसे मसालों का निर्यात 295.5 मिलियन डॉलर, जीरा-धनिया जैसे स्पाइस सीड्स का 163 मिलियन डॉलर और अदरक-हल्दी का 173 मिलियन डॉलर रहा। रिपोर्ट के अनुसार, कॉफी का निर्यात 240.7 मिलियन डॉलर और चाय का 410.1 मिलियन डॉलर रहा। इसके अलावा प्रोसेस्ड फूड, चीनी और कोको उत्पादों का निर्यात 1.35 अरब डॉलर तथा मछली, मांस और प्रोसेस्ड उत्पादों का निर्यात 1.81 अरब डॉलर रहा। जीटीआरआई ने यह भी बताया कि भारत ने 2025 में पश्चिम एशिया को 281.1 मिलियन डॉलर के डेयरी उत्पाद निर्यात किए, जो भारत के कुल डेयरी निर्यात का 28.9 प्रतिशत है। वहीं शराब और गैर-शराब पेय पदार्थों का निर्यात 197.5 मिलियन डॉलर रहा, जो इस श्रेणी के कुल निर्यात का 43.3 प्रतिशत है। थिंक टैंक के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत के कृषि निर्यात की पश्चिम एशियाई बाजारों पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। ऐसे में अगर क्षेत्र में तनाव लंबा खिंचता है तो इसका असर भारत के किसानों, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और निर्यातकों पर पड़ सकता है।

मीशो की बढ़ीं मुश्किलें! लगा तगड़ा झटका, आयकर विभाग ने थमाया 1500 करोड़ का टैक्स- नोटिस

नई दिल्ली । कम कीमत में सामान उपलब्ध कराने के लिए मशहूर ऑनलाइन मार्केटप्लेस मीशो को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने तगड़ा झटका दिया है। विभाग ने असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए कंपनी को लगभग 1500 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस भेजा है। मीशो ने इस नोटिस की जानकारी सार्वजनिक करते हुए इसे कानूनी रूप से चुनौती देने का ऐलान किया है। आयकर विभाग का आरोप है कि कंपनी ने अपनी आय को कम करके दिखाया है । टैक्स विभाग ने ब्याज सहित 1,499.73 करोड़ रुपये की मांग की है। यह नोटिस इनकम टैक्स एक्ट की धारा 143(3) और 156 के तहत जारी किया गया है। **फैसले से असहमति–** कंपनी का कहना है कि वह टैक्स विभाग के इस असेसमेंट ऑर्डर और कैलकुलेशन से बिल्कुल भी सहमत नहीं है।

कानूनी लड़ाई – मीशो के पास इसे चुनौती देने के लिए ठोस कानूनी आधार हैं और कंपनी उच्च न्यायालय या संबंधित ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाएगी।

कारोबार पर असर - कंपनी ने अपने निवेशकों और ग्राहकों को भरोसा दिलाया है कि इस नोटिस का उसके रोजाना के कामकाज या वित्तीय स्थिति पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। यह पहली बार नहीं है जब मीशो टैक्स रडार पर आई है। इससे पहले असेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए भी कंपनी को इसी तरह का नोटिस मिला था। पिछला मामला फिलहाल कर्नाटक हाई कोर्ट में लंबित है। अच्छी बात यह है कि हाई कोर्ट ने 17 अप्रैल, 2025 को पिछले डिमांड नोटिस पर अंतरिम रोक लगा दी थी। कंपनी को उम्मीद है कि इस बार भी उसे राहत मिलेगी। साल 2015 में IIT ग्रेजुएट्स विदित आत्रे और संजीव बरनवाल द्वारा शुरू की गई यह कंपनी मुख्य रूप से टियर-II और टियर-III शहरों के ग्राहकों और छोटे विक्रेताओं पर केंद्रित है।

कम कमीशन और सस्ते दाम की वजह से इसने बहुत कम समय में बड़ी ग्रोथ हासिल की है।

सरकार ने निर्यातकों को राहत देने के लिए उठाया कदम; पोर्ट शुल्क में मिलेगी छूट

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में आए व्यावधान के बीच सरकार ने निर्यातकों को राहत देने का मन बनाया है। इस बारे में सरकार की ओर से शनिवार को कुछ बड़े एलान किए गए। पिछले महीने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के साझा हमले के बाद व्यापारिक जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में निर्यातकों को असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। अब उन्हें भारी नुकसान से बचाने के लिए वाणिज्य और शिपिंग मंत्रालयों ने उनके लिए अनुपालन की समयसीमा बढ़ाने और बंदरगाह शुल्कों में छूट देने का जरूरी फैसला किया है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर हमला और उसके

सर्वोच्च नेता आयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद पश्चिम एशिया में राजनीति के साथ-साथ व्यापारिक माहौल भी तनावपूर्ण हो गया। लड़ाई के बाद बीते एक हफ्ते में समुद्री और हवाई दोनों ही तरह के मालभाड़े में भारी इजाफा हुआ है। इसके साथ ही बीमा कंपनियों ने प्रीमियम भी बढ़ा दिया है। यदि यही हालात लंबे समय तक तक बनी रहती है, तो वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों कीमत से जुड़ी प्रतिस्पर्धा खतरे में पड़ सकती है। जनवरी के आंकड़ों पर गौर करें तो, देश का निर्यात महज 0.61 प्रतिशत बढ़कर 36.56 बिलियन डॉलर रहा है और देश का व्यापार घाटा तीन महीने के उच्चतम स्तर 34.68 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसके अलावा, लड़ाई शुरू होने के पहले से ही अमेरिकी टैरिफ के कारण निर्यातकों को टैरिफ की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। निर्यातकों की मांग को देखते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अहम कदम उठाए हैं

ऑथराइजेशन की समयसीमा में विस्तार- 1 मार्च 2026 से 31 मई 2026 के बीच समाप्त होने वाले एडवांस ऑथराइजेशन और ईपीसीजी ऑथराइजेशन की समयसीमा बिना किसी कंपोजिशन फीस के 31 अगस्त 2026 तक बढ़ा दी गई है।

ईपीसीजी स्कीम का फायदा- ईपीसीजी (एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स) योजना के तहत घरेलू कंपनियों को ड्यूटी-फ्री मशीनें आयात करने की अनुमति होती है, जिसके एवज में उन्हें तय निर्यात दायित्व पूरे करने होते हैं। यह नई मोहलत मौजूदा फॉरेन ट्रेड पॉलिसी के तहत मिलने वाली सुविधाओं के अतिरिक्त है।

शिपिंग मंत्रालय का बंदरगाहों के लिए क्या निर्देश?

केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने संकट से निपटने के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया(एसओपी) लागू किया है

शुल्क में कटौती और छूट- मंत्रालय ने बंदरगाहों को निर्देश दिया है कि वे मौजूदा परिस्थितियों के आधार पर स्टोरेज रेंट (भंडारण किराया) और चेंज ऑफ वेसल चार्ज को कम करने या पूरी तरह माफ करने पर विचार करें।